राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

क्रांति समय
SURESH MAURYA
(Chief Editor)
M. 98791 41480
Working. off.: STPI-SURAT, GUJARAT-395023
(Software Technology Park of India, Surat.
www.krantisamay.com
www.krantisamay.in
krantisamay@gmail.com

सुरत-गुजरात,संस्करण रविवार,४अप्रैल २०२१ वर्ष-४, अंक -७० पृष्ठ-०८ मूल्य-०१रूपये

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

जून तक रेल कर्मचारियों का नहीं होगा तबादला

नई दिल्ली। कोरोना संक्रमण के बढ़ रहे मामलों को देखते हुए रेलवे बोर्ड ने नियमित अंतराल पर कर्मचारियों के तबादलों पर रोक की अवधि आगे बढ़ा दी है। अगले तीन माह तक सभी कर्मचारी अपने पद पर बने रहेंगे। उसके बाद स्थिति की समीक्षा करने के बाद कोई फैसला किया जाएगा। कर्मचारी संगठनों ने इस फैसले का स्वागत किया है। पिछले वर्ष मई में रेलवे बोर्ड ने कर्मचारियों के तबादले पर रोक लगाने का फैसला किया था। इसकी अवधि 31 मार्च को समाप्त हो रही थी, लेकिन कोरोना संकट अभी भी बरकरार है। इस स्थिति को देखते हुए आल इंडिया रेलवे मेंस फेडरेशन (एआइआरएफ) और नेशनल फेडरेशन आफ इंडियन रेलवेमैन (एनएफआइआर) ने रेलवे बोर्ड से तबादलों पर रोक की अवधि बढ़ाने की मांग की थी। उनका कहना था कोरोना संक्रमण का खतरा बरकरार है। कई राज्यों में पहले की तुलना में ज्यादा मामले सामने आ रहे हैं। इस स्थिति में कर्मचारियों का तबादला करना उचित नहीं है। उनकी मांग और स्थिति की समीक्षा करने के बाद रेलवे बोर्ड ने यह फैसला किया है। कर्मचारियों संगठनों का कहना है कि रेल प्रशासन का यह सही कदम है। स्थिति सुधरने तक इसे लागू रखने की जरूरत है।

हर वर्ष होता है तबादला

रेलवे के वाणिज्य विभाग में टिकट घर, कंप्यूटरीकृत आरक्षण, पार्सल आदि कार्यालयों में तैनात कर्मचारियों को एक सीट पर चार वर्षों से अधिक नहीं रखा जाता है। इसी तरह यांत्रिक, बिजली, लेखा व अन्य विभागों में संवेदनशील पदों पर तैनात कर्मचारियों को भी चार साल के बाद तबादले का नियम है। कार्मिक विभाग प्रत्येक वर्ष संवेदनशील पदों पर तैनात कर्मचारियों के तबादले की सूची जारी करता है।

भारत के आंतरिक मामलों में 'अमेरिका की चुप्पी' पर राहुल गांधी ने उठाए सवाल

यूएस एक्सपर्ट से की शिकायत

नई दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने हार्वर्ड कैनेडी स्कूल के अंबेसडर निकोलस बर्न्स के साथ वर्चुअल वीडियो मीटिंग में भाजपा की सरकार पर देश की संस्थागत ढांचे पर कब्जा कर लेने का आरोप लगाया और शिकायती लहजे में भारत में हो रही घटनाओं को लेकर अमेरिका की चुप्पी पर भी सवाल खड़े किए। निकोलस बर्न्स के साथ बातचीत में राहुल गांधी ने सवाल किया कि भारत में जो कुछ हो रहा है, उस पर अमेरिकी संस्थानों की ओर से कुछ सुनने को नहीं मिलता।

समाचार एजेंसी एएनआई के मुताबिक, राहुल गांधी ने कहा कि भारत में क्या हो रहा है, इस बारे में मुझे अमेरिकी प्रतिष्ठान से कुछ भी सुनने को नहीं मिला। अगर आप लोकतंत्र की साझेदारी की बात कर रहे हैं तो भारत में जो कुछ घट रहा है, उस पर अमेरिका क्यों नहीं बोलता। मेरा मतलब है कि

यहां जो चल रहा है उस पर आपका (निकोलस बर्न्स) क्या विचार है।

उन्होंने आगे कहा कि मैं मूल रूप से मानता हूं कि अमेरिका एक गहन विचार है। स्वतंत्रता का विचार जिस तरह से आपके संविधान में निहित है वह एक बहुत शक्तिशाली विचार है मगर आपको उस विचार का बचाव करना चाहिए। यही असली सवाल है। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने देश में संस्थागत ढांचे पर सत्तापक्ष की तरफ से पूरी तरह कब्जा कर लेने का आरोप लगाते हुए शुक्रवार को कहा कि निष्पक्ष राजनीतिक मुकाबला सुनिश्चित करने के लिए जिम्मेदार संस्थाएं अपेक्षित सहयोग नहीं दे रही हैं।

कांग्रेस की चुनावी असफलता और आगे की रणनीति के बारे में पूछे जाने पर राहुल गांधी ने कहा, 'हम आज ऐसी अलग स्थिति में हैं जहां वो संस्थाएं हमारी रक्षा नहीं कर पा रही हैं जिन्हें हमारी रक्षा करनी है। जिन संस्थाओं को निष्पक्ष राजनीतिक मुकाबले के लिए सहयोग देना है वो अब ऐसा नहीं कर रही हैं।' उन्होंने आरोप लगाया कि सत्तापक्ष की तरफ से संस्थागत ढांचे पर पूरी तरह कब्जा कर लिया गया है।

> *भारत में क्या हो रहा है, इस बारे में मुझे अमेरिकी प्रतिष्ठान से कुछ भी सुनने को नहीं मिला। अगर आप लोकतंत्र की साझेदारी की बात कर रहे हैं तो भारत में जो कुछ घट रहा है, उस पर अमेरिका क्यों नहीं बोलता। मेरा मतलब है कि यहां जो चल रहा है उस पर आपका (निकोलस बर्न्स) क्या विचार है। उन्होंने आगे कहा कि मैं मूल रूप से मानता हूं कि अमेरिका एक गहन विचार है।*

इसके साथ ही उन्होंने दावा किया कि सत्तापक्ष से लोगों का मोहभंग हो रहा है और यह कांग्रेस के लिए एक अवसर भी है। कोरोना संकट और लॉकडाउन के असर पर कांग्रेस नेता ने कहा, 'मैंने लॉकडाउन की शुरुआत में कहा था कि शक्ति का विकेंद्रीकरण किया जाए... लेकिन कुछ महीने बाद केंद्र सरकार की समझ में आया, तब तक नुकसान हो चुका था।'

यह पूछे जाने पर कि प्रधानमंत्री बनने का मौका मिलने पर उनकी आर्थिक नीति क्या होगी तो कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने कहा कि वह नौकरियों के सृजन पर जोर देंगे। अर्थव्यवस्था को गति देने के उपाय से जुड़े सवाल पर कांग्रेस नेता ने कहा, 'अब सिर्फ एक ही विकल्प है कि लोगों के हाथों में पैसे दिए जाएं। इसके लिए हमारे पास 'न्याय' का विचार है।' उन्होंने चीन के बढ़ते वर्चस्व की चुनौती के बारे में पूछे जाने पर कहा कि भारत और अमेरिका जैसे देश लोकतांत्रिक मूल्यों के साथ ही समृद्धि और विनिर्माण क्षेत्र के विकास से बीजिंग की चुनौती से निपट सकते हैं।

सचिन वाझे मामले की जांच तिहाड़ में बंद गैंगस्टर तक पहुंची

मुंबई। उद्योगपति मुकेश अंबानी के मुंबई स्थित घर एंटीलिया के बाहर लावारिस हालत में खड़ी मिली विस्फोटक से भरी एसयूवी कार मिलने के मामले में अब दिल्ली की तिहाड़ जेल में बंद एक गैंगस्टर की भूमिका की जांच की जा रही है। आतंकी संगठन जैश-उल-हिंद ने संदेश भेजकर घटना की जिम्मेदारी ली थी। इस संदेश के संबंध में ही गैंगस्टर की भूमिका की जांच की जा रही है। यह मामला मुंबई पुलिस के अफसर सचिन वाझे से जुड़ा हुआ है। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि दोषी व्यक्ति के अंडरवर्ल्ड से संबंध हैं और पिछले कुछ दिनों से उसका दिल्ली के अस्पताल में इलाज चल रहा है। टेलीग्राम ऐप पर अकाउंट बनाकर 27 फरवरी को संदेश जारी कर अंबानी के घर के बाहर वाहन खड़ा करने की जिम्मेदारी लेने का दावा किया गया। एक निजी साइबर एजेंसी की मदद से की गई जांच में पता चला कि टेलीग्राम अकाउंट तिहाड़ में बना था। तिहाड़ में बंद गैंगस्टर मुंबई में कुछ लोगों से संपर्क में था, जिनके अंडरवर्ल्ड से रिश्ते हैं।

26 फरवरी को शुरू किया था टेलीग्राम चैनल-गौरतलब है कि 25 फरवरी को दक्षिण मुंबई में मुकेश अंबानी के घर एंटीलिया के बाहर विस्फोटक से लदी एक स्कॉर्पियो कार लावारिस हालत में खड़ी मिली थी। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, 26 फरवरी को टेलीग्राम ऐप पर चैनल शुरू किया गया और अंबानी के घर के बाहर गाड़ी खड़ी करने के लिए जिम्मेदारी लेने वाला मैसेज 27 फरवरी की रात को ऐप पर पोस्ट किया गया। मैसेज में क्रिप्टो करेंसी में भुगतान करने की मांग की गई और एक लिंक भी उसमें दिया गया था। अधिकारी ने बताया कि जांच के दौरान पाया गया कि लिंक उपलब्ध नहीं था जिसके बाद जांच करने वाले अधिकारियों को संदेह हुआ कि किसी ने यह शरारत की है।

एनआईए भी कर रही जांच-सोशल मीडिया प्लैटफॉर्म पर जैश-उल-हिंद का एक और मैसेज 28 फरवरी को आया जिसमें दावा किया गया कि घटना में संगठन की कोई भूमिका नहीं थी।

कोरोना काल में भी रेलवे ने रचा इतिहास, माल ढुलाई में बनाया रिकॉर्ड

नई दिल्ली। भारतीय रेल ने साल 2020-21 में कोरोना महामारी की विषम परिस्थितियों के बीच माल ढुलाई राजस्व में बीते साल का रिकॉर्ड तोड़ कर बड़ी उपलब्धि हासिल की है। इतना ही नहीं इस दौरान मालगाड़ियों की गति भी लगभग दोगुनी की गई है। रेलवे ने इसे आगे भी बरकरार रखने के लिए कार्ययोजना तैयार की है। भारतीय रेल ने कोरोना काल में जब यात्री रेलगाड़ियां बंद हो गई थी, तब माल भाड़ा राजस्व पर अपना ध्यान केंद्रित किया और न केवल मालगाड़ियों की संख्या बढ़ाई बल्कि उनकी गति में भी बदलाव किया, ताकि ज्यादा से ज्यादा माल ढुलाई को आकर्षित किया जा सके। सूत्रों के अनुसार इसकी पहल रेल मंत्री पीयूष गोयल ने खुद की और उन्होंने साफ निर्देश दिए कि जब यात्री ट्रेन नहीं चल रही है तब मालगाड़ियों को धीमी गति से क्यों चलाया जा रहा है? रेलवे के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा है कि यह सब रेलवे की मानसिकता में आए बदलाव का नतीजा है। अब जबकि 70 फ़ीसदी यात्री ट्रेनें शुरू हो गई है तब भी मालगाड़ियां अपनी बढ़ी हुई गति पर चल रही हैं। इस बीच समर्पित मालवहन गलियारे (डीएफसी) के शुरू होने से भी माल ढुलाई में तेजी आई है। रेलवे ने उन क्षेत्रों, खासकर खाद्यान्न परिवहन में काफी बढ़त हासिल की है। रेल मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, साल 2020-21 में रेलवे ने 123.26 करोड़ टन माल ढुलाई की है जो कि बीते साल 2019-20 के 120.93 करोड़ टन से 1.93 फीसदी ज्यादा है। इस दौरान रेलवे ने राजस्व में भी 3त्न की वृद्धि दर्ज की है। 2020-21 में माल भाड़ा का राजस्व 11,73,86 करोड रुपये रहा जो कि बीते साल के 1138,97.20 करोड़ से ज्यादा रहा। खास बात यह है कि रेलवे ने आखिरी 7 महीनों में सितंबर से लेकर मार्च 2021 तक लगातार माल ढुलाई के नए रिकॉर्ड बनाए। रेलवे इस प्रगति को आगे भी जारी रखने के लिए तैयारी कर रहा है।

रेलवे ने इसे आगे भी बरकरार रखने के लिए कार्ययोजना तैयार की है। भारतीय रेल ने कोरोना काल में जब यात्री रेलगाड़ियां बंद हो गई थी, तब माल भाड़ा राजस्व पर अपना ध्यान केंद्रित किया और न केवल मालगाड़ियों की संख्या बढ़ाई बल्कि उनकी गति में भी बदलाव किया

अब यूपी के शामली में होटल में थूक लगाकर रोटी बनाने का वीडियो वायरल

शामली। थूककर रोटी बनाने का एक और वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। उत्तर प्रदेश के शामिल में शहर कोतवाली क्षेत्र के फव्वारा चौक स्थित एक होटल में थूककर रोटी (तंदूरी रोटी) बनाते हुए एक युवक का वीडियो वायरल होने से हड़कंप मच गया। भाजपा नेताओं द्वारा इस मामले में कोतवाली पहुंचकर तहरीर दिए जाने के बाद पुलिस ने होटल के दो कर्मचारियों को हिरासत में ले लिया है। एसपी का कहना है कि जांच के बाद कार्रवाई की जाएगी। शहर कोतवाली क्षेत्र के फव्वारा चौक स्थित एक होटल पर रोटी बनाते युवक का वीडियो वायरल हो गया है। वीडियो में दिखाया जा रहा है कि तंदूर में रोटी लगाने से पहले युवक उस पर थूक रहा है, हालांकि इस वीडियो को प्रमाणित नहीं करता है। वीडियो जैसे ही सोशल मीडिया पर वायरल हुआ तो हिन्दू संगठनों के लोगों में रोष फैल गया और उन्होंने शहर कोतवाली पहुंचकर उक्त व्यक्ति के खिलाफ कार्रवाई किए जाने की मांग की। घटना के संबंध में भाजपा नेता विवेक प्रेमी निवासी रामशाला ने कोतवाली पुलिस को तहरीर देकर होटल को बंद कराने तथा उक्त व्यक्ति के खिलाफ कार्रवाई किए जाने की मांग की। शामली के एसपी सुकीर्ति माधव ने कहा कि एक वीडियो सोशल मीडिया में वायरल हुआ है, जिसकी बाबत कोतवाली शामली में तहरीर भी दी गई है। इसमें कुछ लोगों से पूछताछ भी की जा रही है। जांच के बाद जो भी तथ्य सामने आएंगे, उसी आधार पर कार्रवाई की जाएगी।

समस्तीपुर में आग की भेंट चढ़े कई घर, कमरे में सो रहे तीन लोगों की झुलसकर मौत

समस्तीपुर। बिहार के समस्तीपुर जिले के कल्याणपुर प्रखंड के रामभद्रपुर पंचायत के छक्कन टोली गांव में शुक्रवार देर रात हुई अगलगी में कई घर जलने के साथ ही आग से झुलस कर तीन लोगों की मौत हो गई। स्थानीय मुखिया फिरोजा खातून ने बताया कि अगलगी की घटना के समय सभी लोग घर मे सीए हुए थे। सूचना पर पहुंची पुलिस लाश को पोस्टमार्टम के लिए ले गई।

बांका में मजदूरी करने गए माता-पिता और घर में लगी आग में जिंदा जले तीन मासूम

बता दें कि बिहार के विभिन्न जिलों में इनदिनों अगलगी की कई घटनाएं घटीं हैं। जिसमें कई लोगों की मौत हो चुकी है। 2 अप्रैल को बांका में घर में लगी आग में तीन बच्चे जिंदा जल गए। यह घटना जिले के धोरैया प्रखंड के धनकुंड थाना क्षेत्र के बबुरा गांव की है। जानकारी के अनुसार माता-पिता घर से मजदूरी करने बाहर गए हुए थे। इस दौरान लगी आग में जहां ग्रामीण बुधो दास का घर जलकर राख हो गया वहीं उसकी 6 वर्षीय बेटी चांदनी कुमारी एवं 5 वर्षीय बेटी सोनाक्षी कुमारी की जलकर मौत हो गई वहीं गंभीर रूप से झुलसे डेढ़ वर्षीय बेटे ओम कुमार ने सनौला अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। आग लगने के कारणों का पता नहीं चल पाया।

घर में लगी आग में भाई-बहन समेत छह बच्चे जिंदा जल गए

वहीं बीते मंगलवार को अररिया जिले में भुट्टा पकाते समय उड़ी चिंगारी से एक घर में लगी आग में भाई-बहन समेत छह बच्चे जिंदा जल गए। घटना जिले के पलासी प्रखंड के कबैया गांव में मंगलवार की है। पलासी प्रखंड के कबैया गांव में भाई-बहन समेत छह बच्चे फूस के बने घर लोगों से छिपकर भुट्टा पका रहे थे। इसी दौरान उड़ी चिंगारी से घर में आग लग गई और बच्चों को घर से निकलने का मौका तक नहीं मिल सका। जब तक बच्चों का शोर सुनकर लोग पहुंचते तब तक वे सभी आग में जिंदा जल गए। घटना में किसी भी बच्चे को बचाया नहीं जा सका।

मार्च में दिखा कोरोना के कहर का ट्रेलर

अप्रैल में वायरस मचा सकता है कोहराम कितनी भयावह है दूसरी लहर

नई दिल्ली। देश में कोरोना की दूसरी लहर की रफ्तार बेहद तेज है। मार्च में कोरोना वृद्धि दर पिछले साल के रिकॉर्ड को पार कर गई है। मार्च में कोरोना ने अपनी रफ्तार की झलक दिखा दी है और एक अनुमान जताया गया है कि अप्रैल में यह अपने चरम पर होगी। वैज्ञानिकों का ऐसा अनुमान है कि इसी महीने के मध्य तक कोरोना अपने पीक पर होगा और पूरे देश में कहर मचा सकता है। हालांकि, इसके बाद गिरावट की भी संभावना जताई जा रही है। इधर, 11 राज्यों के मुख्य सचिवों एवं वरिष्ठ अधिकारियों के साथ शुक्रवार को समीक्षा बैठक के दौरान कैबिनेट सचिव राजीव गौबा ने कहा कि मार्च में कोरोना रफ्तार 6.8 फीसदी रही। जबकि इससे पूर्व पिछले साल जून में सर्वाधिक 5.5 फीसदी बढ़ोतरी दर्ज की गई थी। कोरोना संक्रमण से सर्वाधिक प्रभावित 11 राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों महाराष्ट्र, पंजाब, कर्नाटक, केरल, छत्तीसगढ़, चंडीगढ़, गुजरात, मध्य प्रदेश, तमिलनाडु, दिल्ली तथा हरियाणा के मुख्य सचिवों, स्वास्थ्य सचिवों, पुलिस प्रमुखों एवं वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक में गौबा ने कहा कि इन राज्यों में स्थिति चिंताजनक है।

पिछले 15 दिनों में इन राज्यों में कोरोना के 90 फीसदी संक्रमण और मौतें दर्ज की गई हैं। कई राज्य पिछली पीक को पार कर चुके हैं। कई पीक के करीब पहुंच चुके हैं।

उन्होंने कहा कि सितंबर 2020 में कोरोना संक्रमण 97 हजार के पीक पर पहुंचे थे। अब यह फिर से 81 हजार तक पहुंच चुके हैं। संक्रमणों की दैनिक वृद्धि दर 5.5 फीसदी है। महाराष्ट्र में स्थिति सर्वाधिक चिंताजनक है। राज्य को प्रभावी कदम उठाने को कहा गया है। उन्होंने कहा कि टियर-2 एवं टियर-3 तथा अर्द्धशहरी इलाकों में भी कोरोना के मामलों में वृद्धि दिख रही है। यह चिंता का विषय है।

सितंबर में पीक पर था कोरोना

देश में कोरोना की पहली लहर का पीक 15-16 सितंबर को था, जब 97 हजार से अधिक नए केस सामने आए थे। इसके बाद से नए केस कम होने लगे थे। फरवरी तक राहत देखी जा रही थी मगर मार्च आते ही फिर कोरोना के मामले फिर बढ़ गए। शुक्रवार को भी देश में 81 हजार से अधिक मामले सामने आए और आशंका जताई जा रही है कि इसमें रोजाना अभी बड़ा इजाफा होगा।

अप्रैल में अपने पीक पर कोरोना की दूसरी लहर-वैज्ञानिकों ने एक गणितीय मॉडल का इस्तेमाल कर अनुमान जताया है कि देश भर में जारी कोविड-19 वैश्विक महामारी की दूसरी लहर अप्रैल के मध्य में चरम पर पहुंच जाएगी, जिसके बाद मई अंत तक संक्रमण के मामलों में काफी गिरावट देखने को मिल सकती है। भारत में कोरोना संक्रमण की पहली लहर के दौरान, 'सूत्र' नाम के इस गणितीय दृष्टिकोण ने अनुमान व्यक्त किया था कि संक्रमण के मामले शुरू में अगस्त में बढ़ेंगे और सितंबर तक चरम पर होंगे और फिर फरवरी 2021 में कम हो जाएंगे। आईआईटी कानपुर के मनिंद्र अग्रवाल समेत अन्य वैज्ञानिकों ने इस मॉडल का प्रयोग संक्रमण के मामलों में वर्तमान वृद्धि की प्रवृत्ति का अनुमान लगाने के लिए किया और पाया कि वैश्विक महामारी की जारी लहर में संक्रमण के रोजाना के नये मामले अप्रैल के मध्य में चरम पर पहुंच जाएंगे।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

ताकि न उठे सवाल

किसी प्रत्याशी की गाड़ी में इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन का पाया जाना दुखद और अवैधानिक है। असम से जो शिकायत आई है, वह इतनी गंभीर है कि स्वयं चुनाव आयोग को संबंधित चार अधिकारियों को निलंबित करना पड़ा है। अगर मतदान के बाद ईवीएम मशीन को स्ट्रॉन्ग रूम तक पहुंचाने का सरकारी इंतजाम नहीं था, तब मतदान केंद्र पर ही मशीन के साथ इंतजार करना चाहिए था। चुनाव आयोग के पास वाहन न होने के बहाने को स्वीकार नहीं किया जा सकता। संसाधनों की कोई कमी न हो, इसीलिए चुनाव अनेक चरणों में कराए जा रहे हैं। आयोग ने सभी केंद्रों को परिवहन सुविधा से जोड़ने के लिए तमाम इंतजाम किए ही होंगे, तब भी अगर कहीं वाहन का टोटा सामने आया, तो यह अपने आप में बड़ी चिंता की बात है। उससे भी बड़ी चिंता यह कि आयोग की गाड़ी उपलब्ध न होने पर किसी प्रत्याशी की गाड़ी में ईवीएम रख दी जाए! यह चुनावी व्यवस्था के साथ खिलवाड़ है। अगर प्रत्याशी के वाहन में ईवीएम मशीन के साथ चुनाव अधिकारी भी बैठे थे, तो भी मामला बहुत गंभीर है। शिकायत आने के बाद चुनाव आयोग ने रतबरी क्षेत्र के उस मतदान केंद्र पर पुनर्मतदान का सही फैसला लिया है। पूरे चुनाव में हर जगह आयोग को अपने इंतजामों को पुन- परख लेना चाहिए। यह भूलना नहीं चाहिए कि चुनाव आयोग या देश में चुनाव कितनी मुश्किल से सुधार की सीढ़ियां चढ़ा है। कितने संघर्ष और बलिदान के बाद चुनावी प्रक्रिया आज इस स्थिति में पहुंची है कि दुनिया भारत से चुनाव कराना सीखती है। ऐसी उज्ज्वल छवि वाले चुनाव आयोग को विगत कुछ समय से अगर चुनाव कराने में समस्याएं आ रही हैं, तो यह समय पुन- मुस्तैद होने का है। जिन राज्यों में इस वक्त विधानसभा चुनाव हो रहे हैं, वहां से लगातार छोटी-बड़ी शिकायतें सामने आ रही हैं। चूंकि चुनाव के दौरान पूरी व्यवस्था चुनाव आयोग के हाथों में होती है, इसलिए किसी भी शिकायत की जिम्मेदारी आयोग को लेनी चाहिए। क्या निचले स्तर पर चुनाव अधिकारी चुनाव के नियम-कायदे भूलने लगे हैं? बहुत मुश्किल से और काफी संसाधनों के उपयोग से इस देश ने अपने लोगों को चुनाव कराने के लिए प्रशिक्षित किया है, इस प्रशिक्षण को फिर से जांचने की जरूरत है। चुनाव कराने की जिम्मेदारी उन्हीं लोगों के हाथों में होनी चाहिए, जो निष्पक्ष हैं। समय बदल चुका है, अब चुनाव की प्रक्रिया और उसके छोटे-छोटे पहलुओं पर राजनीतिक कार्यकर्ताओं और नागरिकों की निगाह है, अब कमियों को पहले की तरह छिपाया या नजरंदाज नहीं किया जा सकता। हर आदमी सूचना तकनीक से लैस है और निष्पक्ष चुनाव के प्रति लोगों का लगाव बढ़ा है। पश्चिम बंगाल से भी आयोग के पास शिकायतें लगातार पहुंच रही हैं, उन शिकायतों का निपटारा ऐसे पारदर्शी तरीके से होना चाहिए कि किसी भी दल को गंभीर शिकायत का मौका न मिले। चुनावी तंत्र की निष्पक्षता न केवल हमारे देश को मजबूत करती है, बल्कि राजनीतिक दलों को भी अनुशासन में रहने के लिए पाबंद करती है। अत- किसी भी दल के दबाव में आए बिना आयोग को वही करना चाहिए, जो उसके नियम-कायदों में बहुत ठोक-बजाकर दर्ज किया गया है। चुनावी प्रक्रिया के किसी भी मोड़ पर गुणवत्ता से समझौता लोकतंत्र से समझौता होगा, जो देश के हित में नहीं है।

म्यांमार घटनाक्रम की अनदेखी के मायने

पुष्परंजन

गत 27 मार्च, 2021 को म्यांमार की राजधानी न्येपीदो में आर्म्स डे परेड थी। दुनिया के तमाम देश जब उसका बहिष्कार कर रहे थे, आठ देशों के प्रतिनिधि उस अवसर पर उस समारोह के साक्षी बने थे। भारत, चीन, पाकिस्तान, वियतनाम, बांग्लादेश, लाओस, थाईलैंड, रूस जैसे आठ मुल्कों का शामिल होना यह दर्शा रहा था कि ये देश प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से म्यांमार की मिलिट्री जुंटा के साथ खड़े हैं। लोकतांत्रिक अधिकारों का हरण कर सेना सत्ता जिस तरह हांकने लगती है, स्पेन में सबसे पहले उसे 'हुंटा' कहा गया था। ब्रिटिश उसका अक्षरशः 'जुंटा' उच्चारण करते हैं। म्यांमार के सैन्य शासकों से 'जुंटा' शब्द चिपक कर रह गया है। 1 फरवरी, 2021 को मिलिट्री जुंटा के जनरल मिन आंग लिआंग ने जब लोकतांत्रिक रूप से चुनी सरकार को भंग किया था, उसके कुछ घंटों बाद उन्होंने अहद किया था कि साल भर में नयी पार्टी और सरकार का गठन अपनी देखरेख में कराएंगे। मगर, पिछले दो महीनों में जिस तरह 500 लोग मारे गये, हिंसा की घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रहीं, उसे देखते हुए शक है कि अगले दस महीनों में म्यांमार की दशा सुधर जाएगी। भारत समेत आठ देशों ने जिस दिन म्यांमार की सैन्य परेड में भाग लिया था, उस दिन सौ लोग मारे गये थे। कोई भी पूछेगा कि क्या आप प्रतिरोध को कुचल देने वाले सैन्य तानाशाहों के समर्थक हैं? लोकतंत्र की रक्षा में अग्रणी देश भारत 'स्थितियों की समीक्षा' कर रहा है, और संभलकर टिप्पणी कर रहा है। भारतीय विदेश मंत्रालय ने 1 फरवरी, 2021 को आधिकारिक बयान जारी करते हुए कहा था, ' म्यांमार की घटनाओं पर हमें गहरी चिंता है। वहां की स्थिति को हम मॉनिटर कर रहे हैं। लोकतांत्रिक प्रक्रिया और क़ानून के शासन को बनाये रखना चाहिए।' 26 फरवरी, 2021 को भी यूएन में भारत के स्थाई प्रतिनिधि टीएस त्रिमूर्ति ने कहा कि म्यांमार की शांति व स्थिरता से हमारा भी सरोकार है। फिर ऐसा क्या हुआ कि भारत ने 27 मार्च, 2021 को न्येपीदो की आर्म्स डे परेड का साक्षी होने का फैसला ले लिया? इस प्रश्न का उचित उत्तर भारतीय विदेश मंत्रालय ही दे सकता है। आंग सान सूची किसी ज़माने में नज़रबंद होती थीं तो पूरी दुनिया से मिलिट्री जुंटा की भर्त्सना आरंभ हो जाती थी। ऐसा पहली बार हो रहा है कि सूची और नेशनल लीग फॉर डेमोक्रेसी (एनएलडी) के साथियों की नज़रबंदी पर तीसरी दुनिया में व्यापक हलचल नहीं हो रही। घटनाक्रमों को देखने पर एक सवाल तो बनता है कि आंग सान सूची ने क्या अपनी साख़ खो दी है? उसकी बड़ी वजह रोहिंग्या शरणार्थियों के साथ सूची के शासनकाल में हुआ भेदभाव, जुल्मों-सितम है। जो बाइडेन प्रशासन ने जितनी तेज़ी से म्यांमार पर प्रतिबंध लगाया है, उसका सबसे बड़ा कारण सूची से सहानुभूति नहीं, चीनी दखल को म्यांमार में रोकना लगता है। चीन, भारत की तरह खामोश नहीं, खुलकर म्यांमार मामले में कूटनीति कर रहा है। चीन ने इस बार बंदूक आसियान देशों के कंधे पर रख दी है। चीनी विदेश मंत्री वांग यी ने फूचियान में आसियान के चार देशों के विदेश मंत्रियों के साथ बैठक की है और उनके हवाले से कहा है कि म्यांमार के मामले में अमेरिकी प्रतिबंध व विदेशी हस्तक्षेप नहीं होना चाहिए। आसियान के सदस्यों में सिंगापुर, मलेशिया, इंडोनेशिया और फिलीपींस को इस विषय पर चीन ने सक्रिय किया है तो उसके कूटनीतिक निहितार्थ हैं। इंडोनेशिया, मलेशिया, सिंगापुर, थाईलैंड, फिलीपींस, कंबोडिया, लाओस, म्यांमार, वियतनाम, ब्रुनेई जैसे दस देशों का संगठन 'आसियान', दस करोड़ 40 लाख आबादी का प्रतिनिधित्व करता है। यह 2.57 ट्रिलियन डॉलर की मुक्त व्यापार अर्थव्यवस्था है। आसियान के चार्टर में है कि दसों में किसी सदस्य देश पर मुसीबत आती है तो उसका मिलकर मुकाबला करेंगे और किसी बाहरी देश का दखल नहीं होने देंगे। मगर, म्यांमार जिस तरह से विश्व कूटनीति का अधिकेंद्र बन चुका है, उससे आसियान किंकर्तव्यविमूढ़ है। आसियान भी लगता है, म्यांमार वाले मामले में सब कुछ चीन के भरोसे छोड़ रखा है। 2401 किलोमीटर लंबी सीमा से जुड़ा थाईलैंड इस समय म्यांमार से भागे 12 हज़ार कारेन शरणार्थियों से बुरी तरह बावस्ता है। थाई एनजीओ फ्रेंड्स विदाउट बॉर्डर फाउंडेशन के अनुसार, 'उत्तर-पश्चिमी इलाके माईहोंग सोंग में तीन हज़ार बर्मी शरणार्थी सालवीन नदी पार कर आ चुके हैं। म्यांमार-भारत की 1643 किलोमीटर सीमा मणिपुर, मिजोरम से लगी है। म्यांमार से पलायन कर इधर कितने लोग आये, गृह मंत्रालय द्वारा आधिकारिक आंकड़ा मिलना अभी बाक़ी है। 20 मार्च को मिज़ोरम से राज्यसभा सांसद के. वनलालवेना ने जानकारी दी कि म्यांमार से भाग कर आये शरणार्थियों की संख्या हज़ार से अधिक है। उससे पहले, 18 मार्च, 2021 को मिज़ोरम के मुख्यमंत्री जोरामथांगा ने पीएम मोदी को पत्र लिखकर सतर्क किया कि सीमा पर जो कुछ हो रहा है, उससे हम आंखें मूंद नहीं सकते। चीन, दरअसल म्यांमार को अपना उपनिवेश समझ बैठा है। वहां लोकतांत्रिक ढंग से चुनी सरकार में उसके लोग होने चाहिए, और शासन जब सेना पलट कर अपने हाथ में ले ले, तब भी चीन समर्थक मंत्री होने चाहिए। चीन का अवसरवाद समझना है तो म्यांमार उसका रोल मॉडल है। 2016 में आंग सान सूची की पार्टी नेशनल लीग फॉर डेमोक्रेसी सत्ता में आई तो चीन ने एनएलडी से प्रगाढ़ संबंध गांठ लिये। अगस्त 2017 में रोहिंग्या शरणार्थियों पर जब सितम शुरू हुआ, चीन ने यूएन तक में आंखें मूंद ली। वजह उसकी वन बेल्ट वन रोड (ओबीओआर) परियोजना का म्यांमार में विस्तार था। अप्रैल, 2019 में जब ओबीओआर की दूसरी बैठक हुई, उसमें म्यांमार की तत्कालीन स्टेट काउंसलर आंग सान सूची पधारीं और चीन म्यांमार आर्थिक कॉरीडोर के तीन सहमति पत्रों पर हस्ताक्षर किये। इस समय चीन की चिंता आंग सान सूची की सत्ता में वापसी नहीं, बल्कि म्यांमार में स्थापित चीन फैक्टरियां, तेल-गैस पाइपलाइन, अधोसंरचना की सुरक्षा है। रूस, म्यांमार के सैनिक शासन के प्रति सॉफ्ट इसलिए है क्योंकि उसके हथियारों की सप्लाई ज़बरदस्त रूप से बढ़ी है। स्टॉकहोम स्थित इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीच्यूट के डाटा बताते हैं कि वियतनाम के बाद म्यांमार दक्षिण-पूर्व एशिया का दूसरा देश है, जिसने सबसे अधिक 807 मिलियन डॉलर के रूसी सैन्य साज़ो-सामान ख़रीदे। उससे पहले 2001 से 2016 के बीच म्यांमार ने चीन से 1.42 अरब डॉलर के मिलिट्री हार्डवेयर ख़रीदे थे, और रूस से 1.45 अरब डॉलर के सैन्य साज़ो-सामान आयात किये थे। म्यांमार में रूसी-चीनी गठजोड़ से क्या नयी दिल्ली वाकिफ नहीं है? या फिर 1988 से 2020 तक म्यांमार में कितना चीनी निवेश हुआ, उसका डाटा नहीं है दिल्ली के पास?

लेखक ईयू-एशिया न्यूज़ के नयी दिल्ली संपादक हैं।

आज के ट्वीट

बराबर

सब इंसान बराबर हैं, चाहे वो किसी धर्म या जाति के हों। हमें ऐसा भारत बनाना है जहाँ सभी धर्म और जाति के लोगों में भाईचारा और मोहब्बत हो, न कि नफ़रत और बैर हो। -- अरविंद केजरीवाल

ज्ञान गंगा

भारतीय संस्कृति

श्रीराम शर्मा आचार्य

भारतीय संस्कृति सबके लिए सभी भांति विकास का अवसर देती है। अति उदार संस्कृति है। विश्व में अन्य किसी धर्म संस्कृति में ऐसा प्रावधान नहीं है। उनमें एक ही इष्टदेव और एक ही तरह के नियम को मानने की परंपरा है। इसका उल्लंघन कोई नहीं कर सकता। करता है तो दंडनीय होगा। एक उद्यान में कई तरह के पौधे और फूल उगते हैं। इस भिन्नता से बगीचे की शोभा ही बढ़ती है। यही बात विचार उद्यान के संदर्भ में स्वीकार की जा सकती है। इसमें अनेक प्रयोग-परीक्षणों के लिए गुंजाइश रहती है और सत्य को सीमाबद्ध कर देने से उत्पन्न अवरोध की हानि नहीं उठानी पड़ती। इस दृष्टिकोण के कारण नास्तिकवादी लोगों के लिए भी भारतीय संस्कृति के अंग बने रहने की छूट है, जबकि उनके लिए धर्मो के द्वार बंद हैं। भारतीय संस्कृति की दूसरी विशेषता है-कर्मफल की मान्यता। पुनर्जन्म के सिद्धांत में जीवन को अवांछनीय माना गया है और मरण की उपमा वस्त्र परिवर्तन से की गई है। कर्मफल की मान्यता नैतिकता और सामाजिकता की रक्षा के लिए नितांत आवश्यक है। मनुष्य की चतुरता अद्भुत है। वह सामाजिक विरोध और राजदंड से बचने के अनेक हथकंडे अपनाकर कुकर्मरत रह सकता है। ऐसी दशा में किसी सर्वज्ञ सर्वसमर्थ सत्ता की कर्मफल व्यवस्था का अंकुश ही उसे सदाचरण की मर्यादा में बांधे रह सकता है। परलोक की, स्वर्ग नरक की, पुनर्जन्म की मान्यता समझाती है कि आज नहीं तो कल, इस जन्म में नहीं तो अगले जन्म में कर्म का फल भोगना पड़ेगा। दुष्कर्म का लाभ उठाने वाले न सोचें कि उनकी चतुरता सदा काम देती रहेगी और वे पाप के आधार पर लाभान्वित होते रहेंगे। इसी प्रकार जिन्हें सत्कर्मो के सत्परिणाम नहीं मिल सके हैं, उन्हें भी निराश होने की आवश्यकता नहीं है। संचित, प्रारब्ध और क्रियमाण कर्म समयानुसार फल देते रहते हैं। अन्य धर्म जहां अमुक मत का अवलंबन अथवा अमुक प्रथा प्रक्रिया अपना लेने मात्र से ईश्वर की प्रसन्नता और अनुग्रह की बात कहते हैं, वहीं भारतीय धर्म में कर्मफल की मान्यता को प्रधानता दी गई है और इसके साथ ही दुष्कर्मो का प्रायश्चित करके क्षति पूर्ति करने को भी कहा गया है।

आज का राशिफल

मेष व्यावसायिक समस्या सुलझाने में आप सफल होंगे। रक्तचाप या हृदय रोगी स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। टकराव की स्थिति आपके हित में न होगी। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं।

वृषभ पारिवारिक सदस्यों का सहयोग मिलेगा। आपके प्रभाव तथा वर्चस्व में वृद्धि होगी। किसी बहुमूल्य वस्तु के पाने की अभिलाषा पूरी होगी। कोई महत्वपूर्ण निर्णय न लें। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

मिथुन आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे।

कर्क राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। खानपान में संयम रखें। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। व्यर्थ के तनाव मिलेंगे

सिंह पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। पारिवारिक जनों से तनाव मिलेगा। वाणी पर नियंत्रण रखने की आवश्यकता है। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे।

कन्या पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। धन लाभ होगा। रुपए पैसे के लेन देन में सावधानी रखें। वाणी की सौम्यता आवश्यक है। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

तुला पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। व्यावसायिक क्षेत्र में कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा। अनावश्यक कष्ट का सामना करना पड़ेगा। किसी अभिन्न मित्र से मिलाप होगा। धन हानि की संभावना है।

वृश्चिक शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। विरोधियों का पराभव होगा।

धनु आर्थिक योजना सफल होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। जारी प्रयास सार्थक होगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। अनावश्यक कष्ट का सामना करना पड़ेगा।

मकर जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। रोजी रोजगार की दिशा में प्रगति होगी। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। मकान, सम्पत्ति व वाहन की दिशा में किया गया प्रयास सफल होगा।

कुम्भ गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी। पारिवारिक जनों से तनाव मिलेगा। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें।

मीन व्यावसायिक योजना फलीभूत होगी। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता मिलेगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें।

सरकार द्वारा एयर इंडिया के निजीकरण की ओर बढ़ते कदम

(लेखक- अशोक भाटिया)

इस समय भारत समेत पूरी दुनिया सदी की सबसे खतरनाक महामारी से प्रभावित है ।कोविड-19 में तबाह हुए कई सेक्टर में से एविएशन इंडस्ट्री का सबसे बुरा हाल है । एयरलाइन बिजनेस को नियमित रूप से लाभ में चलाना सबसे कठिन काम होता है. खासकर महामारी के दौर में यह नामुमकिन है ।दुनियाभर में कई एयरलाइंस ने दिवालिया होने के लिए आवेदन दिया है और कई अन्य एयरलाइंस को सरकार से आर्थिक मदद भी मिली है ।सरकार ने 2002-03 के बाद पहली बार किसी सार्वजनिक क्षेत्र के बिजनेस का निजीकरण करने के अपने प्रयास में एयर इंडिया को सही दिशा में लाने में भी बहादुरी दिखाई है ।अगर एक कम जटिल और अधिक लाभदायक बिजनेस का निजीकरण करने की पहले कोशिश होती तो शायद अच्छा होता । इससे अफसरों को प्रक्रिया और इसे अमल में लाने के लिए अधिकारियों के बीच विश्वास जगता. दूसरी तरफ, अगर सरकार पहली कठिन परीक्षा पास कर लेती है तो बाकी की राह उसके लिए आसान हो जानी चाहिए । इसमें दांव पर बहुत कुछ लगा है कि क्योंकि सरकार को विनिवेश की लंबी प्रक्रिया चलानी है । एयरलाइन को मुनाफे में न चला पाने में सरकार की विफलता का मुख्य कारण इन परिसंपत्तियों का बेहतर ढंग से उपयोग न कर पाना है । सभी मुनाफे वाली एयरलाइंस ये सुनिश्चित करती हैं कि उनके एयरक्राफ्ट ज्यादा समय तक हवा में रहें. जमीन पर रहने से इस संपत्ति को नुकसान पहुंचता है । इस कारण से लौटने में कम समय और कई रास्तों पर रात-दिन एक ही एयरक्राफ्ट के इस्तेमाल से मुनाफा ज्यादा होता है ।इंडिगो की तुलना में एयर इंडिया के एयरक्राफ्ट एक तिहाई समय हवा में गुजारते हैं ।इंडियो इस मामले में मानक है । इसी प्रकार, प्रमुख निजी एयरलाइंस नियामकों द्वारा तय की गई सीमा का भरपूर उपयोग करती है और अपनी फ्लाइट और केबिन क्रू को उड़ान भरने के लिए तैनात करती हैं । एयर इंडिया का मैनपावर अधिक महंगा है और उनके काम के घंटे कम हैं । सबसे जरूरी बात, एयर इंडिया अपनी बेशकीमती संपत्तियों को ढंग से उपयोग नहीं करता- जैसे द्विपक्षीय उड़ान के अधिकार (इंटरनेशनल), उतरने का अधिकार और देश-विदेश के प्रमुख एयरपोर्ट पर स्लॉट का ठीक से इस्तेमाल न करना । घाटे में चल रही एयर इंडिया का निजीकरण सरकार के लिए बेहद जरूरी है और ये राष्ट्रीय एयरलाइन और इससे जुड़े लोगों को जीवित रखने की उम्मीद है । इसका सीधा मकसद राष्ट्रीय संपत्ति को बचाना है । अगर ये खरीदी सफल होती है तो यह अन्य सरकारी स्वामित्व वाली संपत्तियों की प्रोडक्टिविटी को खोलने का रास्ता बन सकता है ।तब यह मोदी सरकार की वास्तविक आर्थिक विरासत को परिभाषित कर सकता है । एयर इंडिया को 60 हजार करोड़ का कर्ज चुकाने के लिए सालाना 5 हजार करोड़ खर्च करने पड़ रहे हैं, ये आंकड़ा कोरोना संकट से पहले का है। एयर इंडिया को वित्त्य वर्ष 2018-19 में 8400 करोड़ का मोटा घाटा हुआ, इतने में तो नई एयर लाइन्स शुरू की जा सकती थी। एयर इंडिया की बर्बादी के लिए कुप्रबंधन के साथ-साथ भ्रष्टाचार भी बड़ा कारण है, साथ ही विमानन क्षेत्र में लगातार बढ़ती प्रतिस्पर्धा भी बड़ा कारण है। और एक कारन कि लेट लतीफी की वजह से यात्री एयर इंडिया से जाने से बचते हैं। एयर इंडिया के विमानों ने उन रूटों पर उड़ानें जारी रखीं, जिस पर प्राइवेट कम्पनियों ने सेवा देने से इंकार कर दिया, जबकि लाभों वाले रूटों को बिना वजह दूसरी एयर लाइनों को दे दिया गया। 2005 में 111 विमानों की खरीद का फैसला एयर इंडिया के आर्थिक संकट की सबसे बड़ी वजह थी। इस सौदे पर 70 हजार करोड़ खर्च हुए

थे। इस सौदे से पहले विचार ही नहीं किया गया कि ये कम्पनी के लिए यह व्यावहारिक होगा या नहीं। इस सौदे पर खूब राजनीति भी हुई थी। एयर इंडिया की आप्रेटिंग कास्ट बढ़ती ही चली गई और विदेशी मुद्रा में घाटे के चलते भारी नुक्सान हुआ। इतिहास पर नजर डालें तो राजनीतिक दखलंदाजी और कुप्रबंधन की वजह से भारत की फ्लैगशिप कम्पनी देखते ही देखते कंगाल हो गई। बर्बादी की शुरूआत तो 2007 में ही हो गई थी जब एयर इंडिया में इंडियन एयरलाइन्स का विलय किया गया। उस समय दोनों कम्पनियों के विलय के वक्त संयुक्त घाटा 771 करोड़ था, इस घाटे को लाभ में बदला जा सकता था लेकिन इसकी बर्बादी की दास्तान लिखी जाती रही। बची-कुची कसर कोरोना महामारी ने पूरी कर दी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का दृष्टिकोण यह है कि घाटे वाले उपक्रमों को करदाताओं के पैसे के जरिये चलाने से संसाधन बेकार होते हैं। सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों में करदाताओं का पैसा बर्बाद होता है। इन संसाधनों का इस्तेमाल कल्याण योजनाओं पर किया जा सकता है। सरकार को उम्मीद है कि कम्पनी के निजीकरण की प्रक्रिया जून में पूरी हो जाएगी और अगले 6 माह में एयर इंडिया का प्रबंधन सौंप दिया जाएगा। अब दो ही बड़े खिलाड़ी मैदान में हैं एक टाटा ग्रुप और दूसरा स्पाइसजेट। अन्य कम्पनियों के आवेदन पहले ही खारिज हो चुके हैं। वैसे पलड़ा टाटा ग्रुप का भारी लगता है। टाटा का एयर इंडिया से भावनात्मक संबंध भी है। 1932 में एयर इंडिया का जन्म हुआ था तो उस समय उद्योगपति जेआरडी टाटा ने इसकी स्थापना की थी, तब इसका नाम टाटा एयर लाइन्स हुआ करता था। 29 जुलाई, 1946 को टाटा एयरलाइन्स पब्लिक लिमिटेड कम्पनी बन गई और उसका नाम बदल कर एयर इंडिया रखा गया था।

पीयूष गोयल का रेल कर्मियों के नाम भावुक खत, 'जब दुनिया ठहर गई तो आपने चलाया अर्थव्यवस्था का पहिया'

बिजनेस डेस्क: रेल मंत्री पीयूष गोयल ने शनिवार को करीब 13 लाख रेल कर्मचारियों को पत्र लिखा और कोरोना वायरस संकट के दौरान उनके काम के लिए उनका शुक्रिया अदा किया। उन्होंने कहा कि पिछला साल कुछ ऐसा था जैसा पहले कभी नहीं देखा गया। उन्होंने कहा, 'हमारे अपने नुकसान को कभी नहीं भुलाया जाएगा लेकिन यह रेल परिवार का धैर्य, दृढ़ निश्चय और संकल्प था जो अभूतपूर्व महामारी के दौर में विजयी साबित हुआ।

रेलवे कर्मचारी अर्थव्यवस्था के पहियों को चलाते रहे

गोयल ने कहा कि कोविड-19 वैश्विक महामारी के दौरान 'रेलवे परिवार' ने अपने आप को राष्ट्र की सेवा के लिए समर्पित किया। उन्होंने कहा, 'जब दुनिया ठहर गई तो रेलवे कर्मियों ने एक दिन की भी छुट्टी नहीं ली और अर्थव्यवस्था के पहियों को चलाते रहने के लिए अपनी जान जोखिम में डालकर और कड़ी मेहनत की।'' मंत्री ने कहा कि सभी की इस प्रतिबद्धता के कारण रेलवे आवश्यक वस्तुओं की अबाधित आपूर्ति सुनिश्चित कर पाई, चाहे वह बिजली संयंत्रों के लिए कोयला हो, किसानों के लिए उर्वरक या देशभर के उपभोक्ताओं के लिए अनाज हो। गोयल ने कहा कि परिवारों को मिलाने के लिए 4,621 श्रमिक विशेष ट्रेनें चलाई गई और 63 लाख से अधिक फंसे हुए लोगों को उनके घर पहुंचाया गया।

रेल कर्मचारियों का किया शुक्रिया

रेल मंत्री ने कहा, 'लॉकडाउन के दौरान पाबंदियों के कारण 370 बड़े सुरक्षा और बुनियादी ढांचे संबंधी कार्य पूरे किए गए। किसान रेल सेवाएं बड़े बाजारों के साथ हमारे अन्नदाताओं को सीधे जोड़ने का जरिया बनी। आपने अपनी सेवा से इसे संभव कर दिखाया और लाखों की जिंदगियों और दिलों को छुआ।' उन्होंने कहा, 'यह मेरे लिए बहुत गर्व की बात है कि रेलवे ने अपने असाधारण काम से अर्थव्यवस्था की बहाली की अगुवाई की।' गोयल ने कहा कि अब रेलवे यात्री-केंद्रित बन गई है और वह संचालनात्मक क्षमता के साथ ही अपनी गति सुधारने के लिए कई कदम उठा रही है। उन्होंने कहा, ''मैं आपके समर्पण और उत्कृष्ट प्रयासों के लिए आपका शुक्रिया अदा करता हूं। मैं विश्वास के साथ कह सकता हूं कि इस अति उत्साही टीम के साथ हम रिकॉर्ड तोड़ना, बड़े लक्ष्य हासिल करना, अपने प्रदर्शन से अन्य के लिए नजीर पेश करना और भारतीय अर्थव्यवस्था की वृद्धि में योगदान देना जारी रखेंगे।''

पंजाब के लोगों के लिए अच्छी खबर, विश्वबैंक और AIIB ने पानी से जुड़े 30 करोड़ डॉलर के प्रोजेक्ट को दी मंजूरी

बिजनेस डेस्क: विश्वबैंक और एशियाई बुनियादी ढांचा निवेश बैंक (एआईआईबी) ने पंजाब में नहर के पानी पर आधारित 30 करोड़ डॉलर (करीब 2,190 करोड़ रुपए) की पेय जल परियोजनाओं के लिए कर्ज सहायता मंजूर की है। पंजाब सरकार के बयान के अनुसार परियोजना का मकसद गुणवत्तापूर्ण पेय जल सुनिश्चित करना और अमृतसर तथा लुधियाना में पानी के नुकसान को कम करना है। आधिकारिक प्रवक्ता के अनुसार पूरी परियोजना का वित्त पोषण आईबीआरडी (विश्व बैंक), एशियाई बुनियादी निवेश बैंक और पंजाब सरकार करेगी। इसमें आईबीआरडी 10.5 करोड, एआईआईबी 10.5 करोड़ डॉलर तथा पंजाब सरकार 9 करोड़ डॉलर उपलब्ध कराएगी। प्रवक्ता के अनुसार अमृतसर परियोजना में जल आपूर्ति का स्रोत ऊपर बारी दोआबा नहर है और 44 करोड़ लीटर प्रतिदिन जल शोधन संयंत्र का निर्माण जिले के वल्लह गांव में किया जाएगा। जल शोधन के बाद उसकी आपूर्ति 'ऊंचाई पर स्थापित टंकियों (ओएचएसआर) में की जाएगी। वहां उसे शहर के निवासियों को निरंतर जल आपूर्ति की जाएगी। इसी प्रकार, लुधियाना परियोजना में जल आपूर्ति का स्रोत सरहिंद नहर होगी। वहां के लिए दैनिक 85 करोड़ लीटर जल शोधन क्षमता का संयंत्र लगाया जाएगा। पानी का शोधन करने के बाद उसे ओएचएसआर में डाला जाएगा। वहां से उसकी आपूर्ति घरों में की जाएगी।

फिर महंगा होने लगा सोना-चांदी, 45 हजार रुपए के पार पहुंची गोल्ड की कीमत

बिजनेस डेस्क: सोने-चांदी की चमक एक बार फिर बढ़ने लगी है। गुड फ्राइडे के कारण शुक्रवार को गोल्ड मार्केट्स बंद रहे। गुरुवार को गोल्ड फ्यूचर में 469 रुपए की तेजी आई और यह 45404 रुपए प्रति 10 ग्राम के भाव पर बंद हुआ। सिल्वर फ्यूचर में 1226 रुपए की तेजी आई। अप्रैल डिलीवरी वाला सोना 228 रुपए की तेजी के साथ 44865 रुपए पर बंद हुआ। इस हफ्ते की शुरुआत में यह 44108 रुपए पर आ गया था जो पिछले साल अप्रैल के बाद से इसका न्यूनतम स्तर है। पिछले साल अगस्त में सोना 56200 रुपए के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया था लेकिन इसके बाद इसमें गिरावट आई। सोना अब भी अपने रिकॉर्ड स्तर से 11000 रुपए कम पर चल रहा है।

इस हफ्ते सोने की चाल

मंगलवार को दिल्ली सर्राफा बाजार में सोना 138 रुपए की गिरावट के साथ 44113 रुपए पर आ गया। चांदी भी 320 रुपए की गिरावट के साथ 63212 रुपए प्रति किलो पर बंद हुई। बुधवार को सोने में 49 रुपए की गिरावट आई जबकि चांदी की कीमत 331 रुपए कम हो गई। गुरुवार को सोना 881 रुपए की तेजी के साथ 44701 रुपए पर पहुंच गया। चांदी भी 1071 रुपए की तेजी के साथ 63256 रुपए प्रति किलो पर आ गई।

अंतरराष्ट्रीय कीमत

इस साल 10 साल की परिपक्वता अवधि वाले बॉन्ड यील्ड में पहली तिमाही में 80 बेसिस पॉइंट्स से अधिक की तेजी आई है लेकिन सोने ने निराश किया है। इस साल पहली तिमाही में सोना करीब 200 डॉलर गिरा है। यह 40 साल में सोने की सबसे खराब शुरुआत है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोना अभी 1720 डॉलर प्रति औंस के भाव चल रहा है। विश्लेषकों के मुताबिक आने वाले दिनों में यह 1750 डॉलर तक जा सकता है। ड्ढद्दद्यद्वह्य स्नड्डह्द्श के मुताबिक इस साल सोना 2200 डॉलर प्रति औंस तक पहुंच सकता है। एजेंसी का कहना है कि गोल्ड सप्लाई में कमी आई है। पहले इस तरह की घटनाओं से सोने में काफी तेजी आई है।

अडाणी कपंनी को मिला 1,169 करोड़ का हाईवे प्रोजेक्ट

नयी दिल्ली। अडाणी एंटरप्राइजेज ने कहा कि उसने ओड़िशा में भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण से 1,169.10 करोड़ रुपये की राजमार्ग परियोजना हासिल की है। यह ठेका अडाणी एंटरप्राइजेज की पूर्ण अनुषंगी अडाणी रोड ट्रांसपोर्ट लि. (एआरटीएल) ने हासिल किया है। कंपनी ने बीएसई को दी सूचना में कहा, एआरटीएल को ओड़िशा में रायपुर-विशाखापत्तनम आर्थिक गलियारे के तहत राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या-130-सीडी रोड के कार्की खंड के अंतर्गत छह लेन के बादाकुमारी के विकास के लिये परियोजना आबंटन पत्र मिला है। यह परियोजना कंपनी को एचएएम (हाइब्रिड एन्यूटी मोड) के तहत मिला है। कंपनी ने कहा कि परियोजना की लागत 1,169.10 करोड़ रुपये है और इसे दो साल में पूरा करना है।

हाइवे निर्माण में मोदी सरकार का नया रिकॉर्ड, गडकरी ने बताया रोज कितने किलोमीटर बन रहे

बिजनेस डेस्क: केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने कहा है कि देश में राजमार्ग निर्माण की गति ने वित्तीय वर्ष 2020-21 में 37 किमी प्रति दिन का रिकॉर्ड स्तर को छू लिया है। उन्होंने कहा कि कोविड-19 महामारी द्वारा उत्पन्न बाधाओं के बावजूद यह उपलब्धि हासिल करना उल्लेखनीय है। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय ने वित्तवर्ष 2020-21 में 13,394 किलोमीटर राजमार्गों का निर्माण किया है। गडकरी ने कहा, ''देश भर में राष्ट्रीय राजमार्गों के निर्माण में काफी प्रगति हुई है। हमने एक दिन में 37 किलोमीटर लंबे राजमार्ग निर्माण की गति हासिल की है। गडकरी ने कहा कि ये उपलब्धियां अभूतपूर्व हैं और दुनिया के किसी भी अन्य देश में इसकी कोई समानता नहीं है। उन्होंने कहा कि पिछले सात वर्षों में, राष्ट्रीय राजमार्गों की लंबाई 91,287 किलोमीटर (अप्रैल 2014 के अनुसार) से 50 प्रतिशत बढ़कर 1,37,625 किलोमीटर (20 मार्च, 2021 को) हुई है। मंत्री ने कहा, ''वित्त वर्ष 2019-20 (31 मार्च को) की तुलना में वित्तवर्ष 2020-21 के अंत तक चालू परियोजना कार्यों की संचयी लागत में 54 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। वित्त वर्ष 2015 में कुल 33,414 करोड़ रुपए के बजटीय परिव्यय की तुलना में वित्त वर्ष 2022 के लिए बजटीय परिव्यय 5.5 गुना बढ़कर 1,83,101 करोड़ रुपए हो गया है। मंत्री ने कहा कि जब उन्होंने राजमार्ग मंत्रालय का कार्यभार संभाला, तो 406 रुकी हुई परियोजनाएं थीं, जिसमें 3.85 लाख करोड़ रुपए का निवेश अपेक्षित था। उन्होंने कहा कि विभिन्न उपायों के कारण भारतीय बैंकों को तीन लाख करोड़ रुपए की गैर-निष्पादित आस्तियों (एनपीए) से बचाने में मदद मिली।

रेटिंग एजेंसी इक्रा ने कहा, उत्पादकों के लिए घाटे का सौदा है प्राकृतिक गैस का उत्पादन

बिजनेस डेस्क:

भारत में ज्यादातर क्षेत्रों में प्राकृतिक गैस का उत्पादन अपस्ट्रीम उत्पादकों के लिए घाटे का सौदा बना हुआ है। रेटिंग एजेंसी इक्रा ने कहा कि सरकार द्वारा तय गैस के दाम अपने निचले स्तर पर बने हुए हैं और इससे उत्पादन पर नुकसान हो रहा है। एक अप्रैल से छह महीने के लिए घरेलू गैस का मूल्य 1.79 डॉलर प्रति इकाई (एमबीटीयू) तय किया गया है। नया रंगराजन फॉर्मूला लागू होने के बाद यह इसका सबसे निचला स्तर है। इसके अलावा गहरे पानी, अत्यधिक गहरे पानी, उच्च तापमान और उच्च दबाव वाले क्षेत्रों से उत्पादित गैस मूल्य की अधिकतम सीमा अप्रैल-सितंबर, 2021-22 के लिए 3.62 डॉलर प्रति एमएमबीटीयू तय की गई है, जो अक्टूबर-मार्च, 2020-21 के लिए तय मूल्य सीमा 4.06 डॉलर प्रति इकाई से 10.8 प्रतिशत कम है। इक्रा ने कहा कि इससे ऐसी परियोजनाओं का विकास प्रभावित हो रहा है। इक्रा ने इसी सप्ताह सरकार द्वारा अधिसूचित गैस कीमतों पर टिप्पणी में कहा, ''यह स्थिति घरेलू उत्पादकों के लिए प्रतिकूल है, लेकिन इससे गैस उपभोक्ताओं को फायदा होगा।'' रेटिंग एजेंसी ने नोट में कहा कि इतने कम दाम पर भारतीय अपस्ट्रीम उत्पादकों के लिए ज्यादातर क्षेत्रों से गैस उत्पादन घाटे का सौदा बना हुआ है। हालांकि, तेल क्षेत्र सेवाओं/उपकरण की लागत में इस दौरान कुछ कमी आई है। इक्रा ने कहा कि अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपए में गिरावट से गैस उत्पादकों की प्राप्तियां कुछ बढ़ेंगी, लेकिन इससे कम ही भरपाई हो पाएगी। इक्रा के वरिष्ठ उपाध्यक्ष और समूह प्रमुख (कॉरपोरेट क्षेत्र रेटिंग्स) सब्यसाची मजूमदार ने कहा, ''आगे चलकर अत्यधिक आपूर्ति की वजह से घरेलू गैस के दाम निकट से मध्यम अवधि में निचले स्तर पर बने रहेंगे। इससे घरेलू उत्पादकों के लिए प्राप्ति अच्छी नहीं रहेगी। हालांकि, इस दौरान ओएनजीसी और रिलायंस इंडस्ट्रीज/बीपी जैसी कंपनियां गैस उत्पादन में उल्लेखनीय वृद्धि करेंगी।''

नई विदेश व्यापार नीति जल्द घोषित करे सरकार, 350 अरब डॉलर का निर्यात लक्ष्य तय होना चाहिए- फियो

नई दिल्ली:

देश के निर्यातक संघों के महासंघ %फियो% ने सरकार से नई विदेश व्यापार नीति (एफटीपी) की जल्द घोषणा करने की मांग करते हुए चालू वित्त वर्ष के लिये 350 अरब डॉलर का निर्यात लक्ष्य तय करने पर जोर दिया है। फियो के अध्यक्ष शरद कुमार सर्राफ ने मार्च महीने में निर्यात कारोबार में हासिल 58.50 प्रतिशत की जोरदार वृद्धि को न केवल निर्यात क्षेत्र के लिए बेहतर बताया है, बल्कि इसे समूची अर्थव्यवस्था में पुनरुद्धार का संकेत करार दिया है। मार्च 2021 में देश का निर्यात कारोबार एक साल पहले के इसी माह के मुकाबले 58.50 प्रतिशत बढ़कर 34 अरब डॉलर पर पहुंच गया। सर्राफ ने कहा कि निर्यात के इस रुझान को बनाए रखने की जरूरत है। ऐसे समय जब देश और दुनिया कोविड-19 महामारी की चुनौती का सामना कर रही थी, ऐसे कठिन वर्ष 2020-21 में देश का निर्यात 290 अरब डॉलर से ऊपर पहुंच जाना अपने आप में उत्साहपूर्ण है। हालांकि, एक साल पहले के मुकाबले यह 7.4 प्रतिशत कम रहा है। इससे पिछले वर्ष 313.36 अरब डॉलर का निर्यात किया गया था। वहीं इस दौरान आयात 18 प्रतिशत घटकर 388.92 अरब डॉलर रहा। इससे पिछले साल 2019- 20 में 474.71 अरब डॉलर का आयात किया गया था। उन्होंने सरकार से आग्रह किया है कि निर्यातकों के दिलोदिमाग में व्याप्त अनिश्चितता को दूर करने के लिए जल्द से जल्द आरओडीटीईपी दरों को अधिसूचित कर दिया जाना चाहिए। आरओडीटीईपी योजना के तहत निर्यात उत्पादों पर दिए गए शुल्क एवं करों की वापसी निर्यातकों को जाती है। इसके साथ ही उन्होंने सरकार से नई विदेश व्यापार नीति की जल्द से जल्द घोषणा करने का भी आग्रह किया। इसके अलावा भाड़ा शुल्कों को कम करने और निर्यातकों से जुड़े जोखिम वाले मुद्दों को जल्द समाधान करने को भी कहा है। सर्राफ ने सरकार से ब्रांड इंडिया उत्पादों का विपणन बढ़ाने के लिए निर्यात विकास कोष बनाने की लंबे समय से लटकी मांग को पूरा करने का भी आग्रह किया। उन्होंने कहा कि निर्यात को फिर से दहाई अंक की वृद्धि राह पर लाने के लिए इस क्षेत्र में ढांचागत सुविधाओं में आने वाली विभिन्न कमियों को दूर किया जाना भी जरूरी है। सर्राफ ने कहा कि मार्च माह में निर्यात वाले प्रमुख 30 उत्पाद समूहों में से 28 में काफी प्रभावी वृद्धि दर्ज की गई। तेल खल, लौह अयस्क, अन्य अनाज, कालीन, इलेक्ट्रॉनिक सामान, रत्न एवं आभूषण, इंजीनियरिंग सामान, चावल, मसाले, कपास धागा, कपड़ा, हथकरघा उत्पाद आदि, मांस, डेयरी और पॉल्ट्री उत्पादों, सेरेमिक उत्पादों और शीशे के सामान, दवाओं, औषधियों, ऑर्गेनिक और अजैविक रसायनों का निर्यात बेहतर रहा है। कॉफी, फल, सब्जियों, चमड़ा और चमड़ा उत्पादों, तंबाकू और चाय का भी मार्च माह के निर्यात में बेहतर योगदान रहा है।

सरसों तेल और रिफाइंड ने बिगाड़ा रसोई का बजट, इन चीजों के भी बढ़े दाम

बिजनेस डेस्क:

चावल, दाल, आटा, सरसों तेल, सोयाबीन तेल या फिर चाय हो या नमक एक साल में इनकी कीमतें इतनी बढ़ गई हैं कि किचन का बजट बिगड़ गया है। उपभोक्ता मंत्रालय की वेबसाइट पर दिए गए आंकड़ों के मुताबिक, एक अप्रैल 2020 के मुकाबले एक अप्रैल 2021 को खाद्य तेलों की कीमतों में 47 प्रतिशत, दालों की कीमतें 17 प्रतिशत और खुली चाय में 30 प्रतिशत तक का इजाफा हुआ है। वहीं, चावल के रेट में 14.65 प्रतिशत, गेहूं के आटे में 3.26 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। हालांकि, चीनी सस्ती हुई है।

खाने के तेलों के दाम

रिपोर्ट के मुताबिक, पिछले एक साल में खाने के तेलों की कीमतों भारी इजाफा हुआ है। पैक पाम तेल 87 रुपए से उछलकर करीब 121 रुपए, सूरजमुखी तेल 106 से 157, वनस्पति तेल 88 से 121 और सरसों का तेल (पैक) 117 से 151 रुपए प्रति लीटर पर पहुंच गया है। वहीं, मूंगफली 139 से 165 और सोया तेल 99 से 133 रुपए लीटर पर पहुंच गया है।

चाय और दूध का लेटेस्ट रेट

एक साल में खुली चाय 217 से 281 रुपए किलो पहुंच गई है। चाय के दाम में कुल 29 प्रतिशत का इजाफा हुआ है। नमक के भाव भी इस एक साल में 10 फीसदी बढ़ चुका है। वहीं दूध भी 7 फीसदी महंगा हो चुका है। बता दें कि उपभोक्ता मंत्रालय पर दिए गए ये आंकड़े देशभर के 135 खुदरा केंद्रों में से 111 केंद्रों से जुटाए गए हैं।

दाल के रेट

ताजा आंकड़ों के मुताबिक अरहर यानी तूअर की दाल औसतन 91 रुपए किलो से करीब 106 रुपए, उड़द दाल 99 से 109, मसूर की दाल 68 से 80 रुपए प्रति किलो पर पहुंच चुकी है। मूंग दाल भी 103 से 105 रुपए किलो पर पहुंच गई है।

इस सप्ताह शेयर बाजार में रही रौनक, 2 फीसदी चढ़े सेंसेक्स-निफ्टी

मुंबई। देश में कोरोना के गहराते संकट के बीच इस हफ्ते शेयर बाजार में रौनक देखने को मिली। मजबूत वैश्विक संकेतों से लौटी लिवाली की वजह से घरेलू शेयर बाजार में तेजी दर्ज की गई और प्रमुख संवेदी सूचकांक सेंसेक्स वापस 50,000 के ऊपर बंद हुआ। निफ्टी ने भी बीते सप्ताह के मुकाबले करीब ढाई फीसदी की छलांग लगाई।

होली और गुड फ्राइडे के अवकाश के कारण इस सप्ताह भारतीय शेयर बाजार में सिर्फ तीन दिन कारोबार हुआ जिनमें एक दिन मुनाफावसूली के दबाव में दलाल स्ट्रीट पर मायूसी दिखी बाकी दो दिन घरेलू शेयर बाजार मजबूत लिवाली रही। नए वित्त वर्ष 2021-22 के पहले दिन शेयर बाजार गुलजार रहा।

बंबई स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) के 30 शेयरों पर आधारित संवेदी सूचकांक सेंसेक्स सप्ताह के आखिरी सत्र में गुरुवार को बीते सप्ताह से 1,021.33 अंकों यानी 2.08 फीसदी की तेजी के साथ 50,029.83 पर बंद हुआ। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) के 50 शेयरों पर आधारित संवेदी सूचकांक निफ्टी बीते सप्ताह के मुकाबले 360.05 अंकों यानी 2.48 फीसदी की तेजी के साथ 14,867.35 पर बंद हुआ।

बीएसई मिड-कैप सूचकांक बीते सप्ताह से 546.03 अंकों यानी 2.73 फीसदी की तेजी के साथ 20,516.40 पर बंद हुआ जबकि स्मॉलकैप सूचकांक बीते सप्ताह से 792.73 अंकों यानी 3.91 फीसदी की छलांग लगाकर 21,071.69 पर ठहरा। कारोबरी सप्ताह के आरंभ में सोमवार को होली का अवकाश होने के कारण देश का शेयर बाजार बंद रहा। अगले दिन मंगलवार को आईटी, धातु समेत तमाम सेक्टरों में जबरदस्त लिवाली रहने से सेंसेक्स बीते सत्र से 1128.08 अंकों यानी 2.30 फीसदी की तेजी के साथ 50,136.58 पर बंद हुआ और निफ्टी भी बीते सत्र से 337.80 अंकों यानी 2.33 फीसदी की तेजी के साथ 14,845.10 पर ठहरा।

घर से एयरपोर्ट तक सामान ले जाने की टेंशन खत्म, यात्रियों के लिए Indigo ने शुरू की डिलीवरी सर्विस

बिजनेस डेस्क:

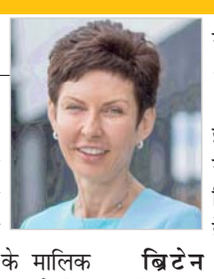

हवाई सफर करने वालों के लिए अच्छी खबर है। अब यात्रियों को बैगेज **(baggage)** को लेकर ज्यादा टेंशन लेने की जरूरत नहीं है। बजट एयरलाइन कंपनी इंडिगो यात्रियों के लिए डोर-टू-डोर बैगेज ट्रांसफर की सुविधा देने जा रही है यानी कि अब **Indigo** यात्रियों का सामान घर से पिक करने से लेकर यात्रा के अंत तक पहुंचाने की सुविधा देगी। एयरलाइन कंपनी ने डोर-टू-डोर बैगेज डिलीवरी सर्विस के लिए ऑन-डिमांड प्लेटफॉर्म कार्टरपॉर्टर के साथ साझेदारी की है। एयरलाइन ने नई दिल्ली और हैदराबाद में 1 अप्रैल से सेवा शुरू कर दी है और बाद में इसे मुंबई और बेंगलुरू हवाई अड्डे से भी शुरू कर दिया जाएगा। एयरलाइन कंपनी ने कहा कि सुविधा यात्रियों को चिंता-मुक्त यात्रा करने में सक्षम बनाएगी, क्योंकि कार्टरपॉर्टर टर्मिनल के अंदर अतिरिक्त सहायता के साथ उनके सामान को एक स्थान से दूसरे स्थान पर संपर्क रहित स्थानांतरित करने की सुविधा प्रदान करेगा। कार्टर पोर्टर के सीईओ हर्षवर्धन ने इस बारे में जानकारी देते हुए बताया कि सबसे पहले यात्रियों के घरों से सामान को पिक किया जाएगा। ऐसा करने से उनको चेक-इन काउंटर और सुरक्षा जांच में कम वक्त लगेगा। उन्होंने ये भी बताया कि अगर कोई यात्री एयरपोर्ट से घर ना जाकर कहीं और जाना चाहता है तो उसके सामान को यात्री के बताए डेस्टिनेशन तक पहुंचाया जाएगा। हर्षवर्धन ने बताया कि सेवा की बुकिंग करने से यात्री को बैगेज डिलीवरी काउंटर पर इंतजार नहीं करना पड़ेगा।

जानें, कितना लगेगा चार्ज?

इंडिगो ने इस डोर-टू-डोर सुविधा को **6EBagport** का नाम दिया है। यात्री को यात्रा से 24 घंटे पहले बुकिंग करानी होगी। साथ ही इसका भुगतान केवल 630 रुपए होगा। इंडिगो के मुख्य रणनीति और राजस्व अधिकारी संजय कुमार ने एक बयान में कहा, यह सेवा उन ग्राहकों को राहत देगी, जो घर से हवाई अड्डे तक अतिरिक्त सामान के साथ यात्रा करना चाहते हैं या बिना बैग के सीधे हवाई अड्डे से एक मीटिंग के लिए जाना चाहते हैं।

दुनिया में सबसे ज्यादा कमाने वाली महिला बॉस, जानिए कितनी है सालाना सैलरी

बिजनेस डेस्क:

दुनिया में सबसे ज्यादा सैलरी पाने वाले सीईओ की चर्चा करें तो पहला नाम अल्फाबेट के सीईओ सुंदर पिचाई, टेस्ला के मालिक एलन मस्क, एपल के सीईओ टिम कुक और माइक्रोसॉफ्ट के सीईओ सत्या नडेला जैसी हस्तियां हैं। पर ब्रिटेन की एक महिला सीईओ ने सैलरी के मामले में इन सबको पीछे छोड़ दिया है। ऑनलाइन सट्टेबाजी कंपनी बेट-365 ग्रुप लिमिटेड की 53 साल की फाउंडर और सीईओ डेनिस कोटेस को सालाना सैलरी के तौर पर 4751 करोड़ रुपए मिले हैं। पिछले साल की तुलना में यह करीब 50 फीसदी अधिक है। वह दुनिया में सबसे ज्यादा सैलरी पाने वाली महिला बॉस में से एक है। कोटेस के सफलता की इस ऊंचाई पर पहुंचने की कहानी भी बेहद दिलचस्प है। वह पहले अपने पिता की एक छोटी सी लॉटरी की दुकान पर काम करती थीं। ब्लूमबर्ग बिलिनेयर्स इंडेक्स **(Bloomberg Billoinaires Index)** के मुताबिक आज वह दुनिया के 500 सबसे अमीर लोगों में शामिल हैं। डेनिस कोटेस 10.3 अरब डॉलर की नेटवर्थ के साथ दुनिया के टॉप अमीरों की सूची में 219वें नंबर पर हैं। इस साल उनकी नेटवर्थ 88.2 मिलियन डॉलर बढ़ी है।

ब्रिटेन की सबसे अमीर महिला

ज्यादा कमाई के साथ ही ब्रिटेन की सबसे अमीर महिला के तौर पर उनकी स्थिति और मजबूत हुई है। आंकड़ों के अनुसार पिछले एक दशक में कोटेस ने 1.5 अरब डॉलर से अधिक की कमाई की है। उन्होंने बेट-365 ग्रुप लिमिटेड कंपनी की शुरुआत 20 साल पहले की थी। कंपनी ने मार्च 2020 के वित्तीय वर्ष में 2.8 अरब पाउंड का राजस्व हासिल किया। डेनिस कोटेस ने 2000 के शुरुआती दशक में ही ऑनलाइन दुनिया की ताकत पहचान ली थी और कंपनी की नींव डाली थी। कोटेस ब्रिटेन में सबसे ज्यादा सैलरी पाने वाली बॉस हैं। उनकी कंपनी **Bet365** सॉकर क्लब स्टोक सिटी **(Soccer club Stoke City)** की भी मालिक है। कंपनी की ऑनलाइन सट्टेबाजी का कारोबार पूरी दुनिया में फैला हुआ है। उनके कारोबार का बड़ा हिस्सा यूरोप के अलावा अमेरिका से भी आता है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

रोनाल्डो का आर्मबैंड 55 लाख रुपये में नीलाम, सर्बियाई बच्चे की मदद के लिए होगा इस्तेमाल

बेलग्रेड । पुर्तगाल फुटबॉल टीम के कप्तान क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने पिछले सप्ताह विश्व कप क्वालीफायर मुकाबले के दौरान यहां गुस्से में जिस 'आर्मबैंड' को मैदान पर फेंका था उसके लिए एक अज्ञात व्यक्ति ने चैरिटी (परोपकार) नीलामी में 64,000 यूरो (लगभग 55.22 लाख रुपये) की बोली लगाई। सर्बिया की सरकारी टेलीविजन ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। सर्बिया के एक मानवतावादी समूह ने रीढ़ की हड्डी की बीमारी का सामना कर रहे छह महीने के बच्चे के चिकित्सा उपचार के लिए पैसे जुटाने के लिए इस नीले रंग की आर्मबैंड के लिए ऑनलाइन नीलामी का आयोजन किया था। पिछले सप्ताह सर्बिया के खिलाफ मैच के आखिरी क्षणों में रोनाल्डो के गोल को अमान्य करार दिया गया था जिसके बाद वह मैदान से बाहर चले गए थे। यह मैच 2-2 से ड्रा रहा था। ड्रेसिंग रूम की तरफ जाते समय उन्होंने अपने 'आर्मबैंड' को गुस्से में मैदान के सामने फेंक दिया था। मैच के बाद अग्निशमन विभाग के एक अधिकारी ने इसे चैरिटी समूह को दे दिया। इस हरकत के लिए हालांकि रोनाल्डो की काफी आलोचना हुई थी।

मोर्गन की कप्तानी में जीत के इरादे से उतरेगी केकेआर

कोलकाता ।

कोलकाता नाइटराइडर्स (केकेआर) टीम आईपीएल के 14 वें सत्र में जीत के इरादे से उतरेगी। इयोन मोर्गन की कप्तानी में उतरने वाली इस टीम के पास दिनेश कार्तिक, शुभमन गिल सहित कई अच्छे खिलाड़ी हैं जिससे उसका खिताबी दावा भी मजबूत नजर आता है। केकेआर ने गौतम गंभीर की कप्तानी में दो बार यह खिताब जीता है और अब वह एक बार फिर उसी सिलसिले को दोहराना चाहेगी। पिछले कुछ आईपीएल से टीम के प्रदर्शन में कमी आई है पर इस बार टीम के इरादे बुलंद नजर आ रहे हैं। पिछले सत्र में टीम अपनी कमजोर बल्लेबाजी और फिनिशर की कमी के कारण हारी थी जबकि उसने बीच में कप्तान तक बदला था इसके बाद भी परिणाम पर प्रभाव नहीं पड़ा। वेस्टइंडीज के दो दिग्गज खिलाड़ियों आंद्रे रसेल और सुनील नारायण के नहीं चल पाने के कारण केकेआर गंभीर युग के बाद लगातार दूसरी बार प्लेऑफ में जगह नहीं बना पायी थी। केकेआर को इस सत्र की शुरुआत 11 अप्रैल को सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ चेन्नई में होने वाली मुकाबले से करनी है। माना जा रहा है कि टीम इस बार पिछली कमजोरियों से सबक लेकर नए सिरे से शुरुआत करेगी। मोर्गन पहली बार पूरे टूर्नामेंट के लिए केकेआर की कमान संभालेंगे। इस प्रकार टीम को एक अनुभवी कप्तान का साथ मिलेगा।

मोर्गन ने पिछले साल टूर्नामेंट के बीच में कमान संभाली थी। तब उन्होंने अच्छा प्रदर्शन करते हुए 14 पारियों में 418 रन बनाये थे। उन्होंने डेथ ओवरों में लंबे शॉट खेलने के अपने कौशल का भी जमकर प्रदर्शन किया तथा सर्वाधिक 24 छक्के लगाए थे। केकेआर ने निराशाजनक परिणाम के बाद भी अपने 17 खिलाड़ियों को टीम में बनाये रखा हालांकि इस बार कुछ अच्छे खिलाड़ी भी टीम से जोड़े गये हैं। वहीं स्टार आलराउंडर शाकिब अल हसन और बेन कटिंग के आने से टीम को नारायण और रसेल के तौर पर अच्छे बैकअप मिले हैं। केकेआर के पास इस बार युवा प्रसिद्ध कृष्णा के रूप में एक अच्छा तेज गेंदबाज है। कृष्णा ने हाल के दिनों में काफी अच्छी गेंदबाजी कर सबका ध्यान खींचा है। टीम की गेंदबाजी की कमान पैट कमिन्स संभालेंगे जबकि लॉकी फर्ग्यूसन से उन्हें अच्छा साथ मिलेगाहैं।

केकेआर की कमजोरी उसका स्पिन विभाग है। बायें हाथ के कलाई के स्पिनर कुलदीप यादव पिछले साल पांच मैचों में केवल एक विकेट हासिल कर पाए थे। एक अन्य रहस्यमयी स्पिनर वरुण चक्रवर्ती की फिटनेस पर भी संदेह बना हुआ है। पिछले बार दिनेश कार्तिक ने कप्तानी छोड़कर अपने खेल पर ध्यान देने का निर्णय किया था और वह 2020 की भरपायी 2021 में पूरी करना चाहेंगे। शाकिब और अनुभवी ऑफ स्पिनर हरभजन सिंह भी दिल्ली और चेन्नई के धीमे विकेटों पर अवसरों का पूरा लाभ उठाना चाहेंगे। केकेआर को युवा सलामी बल्लेबाज शुभमन गिल से अच्छी शुरुआत की आवश्यकता होगी।

सिनर फाइनल में, अगासी, नडाल और जोकोविच की बराबरी की

मियामी ।

पूर्व जूनियर स्कीइंग चैंपियन यानिक सिनर मियामी ओपन टेनिस टूर्नामेंट के पुरुष एकल के फाइनल में पहुंचने वाले चौथे किशोर खिलाड़ी बन गये हैं। इटली के इस 19 वर्षीय खिलाड़ी ने स्पेन के राबर्टो बातिस्ता आगुट को 5-7, 6-4, 6-4 से पराजित करके फाइनल में प्रवेश किया। उनसे पहले नोवाक जोकोविच, राफेल नडाल और आंद्रे अगासी ने अपनी किशोरावस्था में मियामी ओपन के फाइनल में जगह बनाई थी। सिनर पहले स्कीइंग के खिलाड़ी थे लेकिन 13 वर्ष की उम्र में उन्होंने टेनिस अपना लिया था। सिनर फाइनल में पोलैंड के 26वीं वरीयता प्राप्त हुबर्ट हरकाज से भिड़ेंगे जिन्होंने चौथी वरीयता प्राप्त आंद्रे रूबलेव को 6-3, 6-4 से हराया। जोकोविच, नडाल ओर रोजर फेडरर ने इस टूर्नामेंट में हिस्सा नहीं लिया और इन नये खिलाड़ियों ने इसका पूरा लाभ उठाया। महिला एकल का फाइनल विश्व की नंबर एक खिलाड़ी एश बार्टी और आठवीं वरीयता प्राप्त बियांका आंद्रीस्कू के बीच खेला जाएगा।

दुबई पैरा बैडमिंटन में भारत के 17 पदक पक्के

नई दिल्ली । प्रमोद भगत, पलक कोहली और प्रेम कुमार की अगुवाई में भारतीय पैरा बैडमिंटन खिलाड़ियों ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए दुबई पैरा बैडमिंटन इंटरनेशनल 2021 में 17 पदक पक्के किए। भारतीय पैरालंपिक समिति की यहां जारी विज्ञप्ति के अनुसार भगत, कोहली और प्रेम कुमार ने एकल, युगल और मिश्रित युगल तीनों वर्गों के सेमीफाइनल में जगह बनाई है। इसके अनुसार मनोज सरकार, सुकांत कदम, नितेश कुमार, कृष्णा नागर और मानसी जोशी तथा पारुल परमार ने भी अपने अपने वर्गों में सेमीफाइनल में प्रवेश किया। मौजूदा विश्व चैंपियन भगत ने पुरुष एकल एसएल3 में इंडोनिशया के उकुन रूकेंदी को 21-16, 21-13 से हराया। इसके बाद उन्होंने मनोज सरकार के साथ मिलकर पुरुष युगल ओर कोहली के साथ मिश्रित युगल के अंतिम चार में भी जगह पक्की की।

वानखेड़े स्टेडियम पर लटकी तलवार, कोविड के मामले निकले, बदल सकते हैं मैच

मुंबई ।

मुंबई में कोविड-19 के मामलों में तेजी से बढ़ोतरी तथा वानखेड़े स्टेडियम के 10 कर्मचारियों और प्रतियोगिता प्रबंधन से जुड़े छह सदस्यों के इस घातक वायरस से पॉजीटिव पाए जाने के बावजूद भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) को 10 से 25 अप्रैल के बीच इस शहर में इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) मैचों के आयोजन की उम्मीद है। कोरोना वायरस की स्थिति यदि नियंत्रण से बाहर चली जाती है तो फिर इंदौर और हैदराबाद को आईपीएल के 'स्टैंड बाई' स्थान के रूप में रखा गया है। मुंबई को इस धनाढ्य लीग के 10 मैचों की मेजबानी करनी है। महाराष्ट्र में शुक्रवार को 47000 मामले दर्ज किए गए और वहां संभावित लॉकडाउन की स्थिति नजर आ रही है। इसके अलावा आयोजक वानखेड़े स्टेडियम के कर्मचारियों के कोविड-19 के लिए पॉजीटिव पाए जाने से भी चिंतित हैं। यही नहीं प्रतियोगिता प्रबंधन दल के छह सदस्यों का परीक्षण भी पॉजीटिव आया है और उन्हें भी पृथकवास पर भेज दिया गया है। मुंबई क्रिकेट संघ (एमसीए) के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा- जहां तक मैदानकर्मियों की बात है तो कल तब 8 पॉजीटिव मामले थे। आज दो अन्य मामले पॉजीटिव पाए गए। इससे इनकी संख्या बढ़कर 10 हो गयी। सभी को घर भेज दिया गया है और वे अलग थलग रह रहे हैं। उन्होंने कहा- हमने तैयारियों के लिए कांदिवली से मुंबई क्रिकेट संघ के दूसरे मैदानकर्मियों को ला रहे हैं। इसके अलावा बीसीसीआई के प्रतियोगिता प्रबंधन के छह से सात कर्मचारियों का परीक्षण पॉजीटिव आया है। इस बारे में जब बीसीसीआई के एक वरिष्ठ पदाधिकारी से पूछा गया तो उन्होंने कहा कि बोर्ड स्थिति से चिंतित है। बोर्ड अधिकारी ने कहा- देखिए यदि लॉकडाउन होता है तो टीमें जैव सुरक्षित वातावरण में हैं और वैसे भी दर्शकों को स्टेडियम में आने की अनुमति नहीं है। इसलिए हमें अब भी मुंबई में पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार आईपीएल मैचों के आयोजन की उम्मीद है। उन्होंने कहा- लेकिन यदि स्थिति आपे से बाहर चली आ जाती है तो हैदराबाद और इंदौर को स्टैंड बाई रखा गया है। मुंबई में अभी दिल्ली कैपिटल्स, मुंबई इंडियन्स, राजस्थान रॉयल्स और पंजाब किंग्स की टीमें हैं लेकिन इनमें कोई भी टीम वानखेड़े नहीं गई। अधिकारी ने कहा-दिल्ली कैपिटल्स और पंजाब किंग्स ब्रेबोर्न स्टेडियम और बांद्रा कुर्ला काम्पलेक्स मैदान पर अभ्यास कर रही हैं। कोलकाता नाइटराइडर्स (केकेआर) ने चेन्नई रवाना होने से पहले नवी मुंबई में डीवाई पाटिल स्टेडियम में अभ्यास किया था।

संक्षिप्त समाचार

अदिति ने एएनए गोल्फ के कट में जगह बनाई

रैंचो मिराज (अमेरिका) । भारत की अदिति अशोक ने दूसरे दौर में पांच होल के अंदर तीन बर्डी बनाकर एएनए इंस्पिरेशन गोल्फ टूर्नामेंट के कट में जगह बनायी। अदिति ने दूसरे दौर में पार स्कोर बनाया और वह 36 होल के बाद संयुक्त 59वें स्थान पर हैं। महिला यूरोपीय टूर की तीन बार की विजेता 23 वर्षीय अदिति ने एएनए इंस्पिरेशन में दूसरी बार कट में जगह बनायी है। इससे पहले वह 2017 में कट में पहुंची थी और तब संयुक्त 42वें स्थान पर रही थी। पहले दौर में एक ओवर 73 का कार्ड खेलने वाली अदिति पर एक समय जल्दी बाहर होने का खतरा मंडरा रहा था। उन्होंने तीसरे, पांचवें और नौवें होल में बोगी की और एक समय वह चार ओवर पर थी जबकि कट एक ओवर में जाना तय था। अदिति ने हालांकि 13वें, 16वें और 17वें होल में बर्डी बनायी और आखिर में एक ओवर पर पहुंच गई। थाईलैंड की पैटी तवातनाकित ने पहले दौर में 66 और दूसरे दौर में 69 का स्कोर बनाया। इससे उन्होंने एक शॉट की बढ़त बना ली है।

शरथ कमल को टोक्यो क्वालीफिकेशन की आधिकारिक पुष्टि हासिल हुई

नई दिल्ली. शीर्ष भारतीय टेबल टेनिस खिलाड़ी अचंता शरथ कमल को 2021 ओलंपिक से पहले शनिवार को इस बात की आधिकारिक तौर पर पुष्टि की गई कि उन्होंने पुरुष एकल वर्ग के लिए ओलंपिक क्वालीफाई कर लिया है। शनिवार को आईटीटीएफ की विश्व रैंकिंग में दो स्थान ऊपर उठने वाले चेन्नई के इस खिलाड़ी ने ट्वीट किया कि आईटीटीएफ द्वारा जारी सबसे हालिया रैंकिंग के जरिए टोक्यो 2020 ओलंपिक खेलों के लिए मेन्स सिंगल्स इवेंट में क्वालीफाई करने की आधिकारिक पुष्टि हो गई है। शीर्ष क्रम के भारतीय खिलाड़ी ने उस वक्त पिछले महीने टोक्यो ओलंपिक के लिए क्वालीफाई किया था, जब उन्होंने दोहा में एशियाई ओलंपिक योग्यता टूर्नामेंट में पाकिस्तान के रमीज मुहम्मद को हराया था, लेकिन उनकी योग्यता के बारे में पुष्टि एक पखवाड़े बाद हुई है। यह पुरुष एकल में शरत कमल का चौथा ओलंपिक होगा। कमल ने 2004 एथेंस ओलंपिक में पहली बार हिस्सा लिया था। यह वही ओलंपिक है जिसमें भारत के शॉटगन निशानेबाज राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने डबल ट्रैप में रजत पदक जीता था।

ऋषभ पंत से काफी प्रभावित हुए सौरव गांगुली, कहा- वह एक मैच विजेता खिलाड़ी

नई दिल्ली ।

ऋषभ पंत के खेल से 'प्रभावित' भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के अध्यक्ष सौरव गांगुली ने कहा कि यह विकेटकीपर बल्लेबाज 'एक मैच विजेता खिलाड़ी है'। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान ने कहा कि उन्हें विराट कोहली और रोहित शर्मा की बल्लेबाजी देखना पसंद है। गांगुली ने कहा कि (देश में) कुछ शानदार खिलाड़ी हैं और बोर्ड के अध्यक्ष के रूप में मुझे लगता है कि यह नहीं बताना चाहिये कि मेरा पसंदीदा खिलाड़ी कौन है। मेरे लिए सभी पसंदीदा हैं लेकिन मैं कोहली के खेल का लुत्फ उठाता हूं, मैं रोहित शर्मा के खेल का आनंद लेता हूं। उन्होंने कहा कि मैं ऋषभ पंत से प्रभावित हूं क्योंकि मुझे लगता है कि वह एक पूर्ण मैच विजेता हैं। जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद शमी शानदार हैं। मुझे शारदुल ठाकुर बहुत पसंद हैं क्योंकि उसमें हिम्मत और जूझारूपन है। भारत में क्रिकेट में अपार प्रतिभा है। जब (सुनील) गावस्कर थे, तो लोग सोचते थे कि उनके बाद क्या होगा, तब सचिन (तेंदुलकर), (राहुल) द्रविड़, अनिल कुंबले आए थे। जब तेंदुलकर, द्रविड़ खेल को अलविदा कहा तो विराट कोहली, रोहित शर्मा और ऋषभ पंत जैसे खिलाड़ियों ने टीम को संभाला। गांगुली को पहली बार भारतीय टीम में ऑस्ट्रेलिया के 1992 के दौरे के लिए चुना गया था लेकिन तब उन्हें ज्यादा मौका नहीं मिला था। उन्होंने कहा कि ऑस्ट्रेलिया के उस दौरे को याद करते हुए कहा कि वहां का अनुभव और उसके बाद की कड़ी मेहनत ने उन्हें बेहतर क्रिकेटर बनाया। उन्होंने कहा कि मैं खुद के लिए 1992 की श्रृंखला को असफल मानता हूं। सच कहूं तो मुझे खेलने के ज्यादा मौके नहीं मिले और मैं ऑस्ट्रेलिया के दौरे से वापस आया, लेकिन मैं युवा था। उस (श्रृंखला) ने वास्तव में मुझे एक बेहतर क्रिकेटर बनने में मदद की। उन्होंने कहा कि मैं मानसिक रूप से मजबूत होकर वापस आया। मैं उस समय उतना फिट नहीं था, मैं समझ गया था कि अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट क्या है। मैंने न केवल शारीरिक रूप से बल्कि मानसिक रूप से भी दबाव को संभालने के लिए तीन-चार साल के लिए खुद को प्रशिक्षित करना शुरू कर दिया। ऑस्ट्रेलिया दौरे की 1992 की श्रृंखला ने वास्तव में मुझे एक बेहतर क्रिकेटर बनने में मदद की। जब मैं 1996 में इंग्लैंड गया, तो मैं बहुत मजबूत था। मुझे पता था कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर रन बनाने के लिए क्या करना होता है। सीने में दर्द की शिकायत के बाद जनवरी में कोलकाता के एक अस्पताल में एंजियोप्लास्टी के दो दौर से गुजरने वाले गांगुली ने कहा कि वह अब स्वस्थ हैं।

दिल्ली कैपिटल्स की बढ़ी मुसीबत, अक्षर पटेल की कोरोना रिपोर्ट आई पॉजिटिव

स्पोर्ट्स डेस्क ।

आईपीएल के शुरू होने में कुछ ही दिन रह गए हैं लेकिन इससे पहले दिल्ली कैपिटल्स की टीम को बड़ा झटका लगा है। दिल्ली के ऑलराउंडर खिलाड़ी अक्षर पटेल की कोरोना रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। इस वजह से अक्षर पटेल को आईसोलेट कर दिया गया है। आईपीएल में चेन्नई सुपर किंग्स और दिल्ली कैपिटल्स के बीच में ही आईपीएल का दूसरा मैच होना है। दिल्ली कैपटिल्स के लिए दूसरा बड़ा झटका है। क्योंकि दिल्ली के नियमित कप्तान श्रेयस अय्यर कंधे में चोट लगने के कारण पहले ही आईपीएल से बाहर हो चुके हैं और उनकी जगह विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत को दिल्ली कैपिटल्स की कप्तानी दी गई है। वहीं अब अक्षर पटेल की रिपोर्ट पॉजिटिव आने से टीम को बड़ा नुकसान उठाना पड़ सकता है। अक्षर पटेल हाल ही में इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज में शानदार प्रदर्शन किया था। अक्षर ने इंग्लैंड के खिलाफ 3 टेस्ट मैचों में 27 विकेट झटके थे। अक्षर पटेल से पहले कोलकाता नाइट राईडर्स के बल्लेबाज नितिश राणा की रिपोर्ट भी पॉजिटिव आ चुकी है। हालांकि वह अब ठीक हो चुके हैं। लेकिन अक्षर पटेल के पॉजिटिव आने से टीम के मनोबल पर भी काफी असर पड़ेगा। अक्षर ने आईपीएल में अपने नाम 97 मैचों में 80 विकेट चटकाएं हैं और बल्ले से 913 रन भी बनाए हैं। गौर हो कि मुंबई में कोविड-19 के मामलों में तेजी से बढ़ोतरी तथा वानखेड़े स्टेडियम के 10 कर्मचारियों और प्रतियोगिता प्रबंधन से जुड़े छह सदस्यों के इस घातक वायरस से पॉजीटिव पाए जाने के बावजूद भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) को 10 से 25 अप्रैल के बीच इस शहर में इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) मैचों के आयोजन की उम्मीद है।

ताशकंद में होगी 2023 पुरूष विश्व मुक्केबाजी चैम्पियनशिप

नई दिल्ली =

पुरूषों की विश्व मुक्केबाजी चैम्पियनशिप 2023 में ताशकंद में होगी। अंतरराष्ट्रीय मुक्केबाजी संघ ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। एआईबीए अध्यक्ष उमर क्रेमलेव ने उजबेकिस्तान के दौरे पर इसकी पुष्टि की। उन्होंने एक बयान में कहा, मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है कि 2023 की पुरूष विश्व मुक्केबाजी चैम्पियनशिप उस देश में होगी जहां से कई दमदार मुक्केबाज निकले हैं। मुझे शानदार टूर्नामेंट और बेहतरीन मुकाबलों का यकीन है। यह चैम्पियनशिप पहली बार उजबेकिस्तान में होने जा रही है। उजबेकिस्तान ने रियो ओलंपिक 2016 में मुक्केबाजी में तीन स्वर्ण पदक जीते थे ।

पैरा बैडमिंटन : भारतीय खिलाड़ियों ने दुबई में 17 पदक पक्के किए

दुबई.

भारतीय पैरा शटलरों ने यहां जारी तीसरे शेख हमदान बिन राशिद अल मकतौम दुबई पैरा बैडमिंटन इंटरनेशनल 2021 टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन करते हुए शनिवार को अपने लिए कम से कम 17 पदक पक्के कर लिए हैं। अग्रणी शटलर प्रमोद भगत, मनोज सरकार (एमएस एसएल 3 श्रेणी), सुकांत कदम और नितेश कुमार (एमएस एसएल 4), कृष्णा नगर (एमएस एसएच 6), मानसी जोशी और पारुल परमार (डब्ल्यूएस एसएल 3) सभी ने अंतिम-4 चरण में जगह बनाई। संबंधित श्रेणियां, और भगत को छोड़कर, सभी ने अपनी-अपनी श्रेणियों में दो पदक सुनिश्चित कर लिए हैं। भगत, युवा पलक कोहली (डब्लूएस एसयू 5) और प्रेम कुमार अली (एमएस डब्ल्यूएच 1) ने एकल, युगल और मिश्रित युगल के सेमीफाइनल में अपनी-अपनी श्रेणियों में जगह बनाने के बाद प्रत्येक में तीन पदक सुनिश्चित किए हैं। भगत, जो गत विश्व चैंपियन हैं, ने इंडोनेशिया के पूर्व महान उकुन रुकेन्डी को पुरुष एकल वर्ग के एसएल 3 मैच में 21-16, 21-13 से हराया और सेमीफाइनल में मलेशियाई मुहम्मद हुजैरी अब्दुल मालेक से भिड़ेंगे। पुरुष युगल में, भगत और मनोज सरकार (एसएल 3-एसएल 4 श्रेणी) की शीर्ष वरीयता प्राप्त जोड़ी सेमीफाइनल में मोहम्मद अरबाज अंसारी और दीप रंजन बिसोई से भिड़ेगी। मिश्रित युगल एसएल 3-एसयू 5 श्रेणी में, भगत-पलक कोहली ने हमवतन चिराग बर्था और मनदीप कौर को 21-10, 21-17 से हराया और अब इनको सामना फ्रांस के लुकास मजूर और फॉस्टिन नोएल की जोड़ी से होगा। सुकांत कदम को मलेशियाई मुहम्मद नोरहल्मी मोहम्मद जैनुद्दीन को 21-17, 21-8 से हराने में केवल 22 मिनट की जरूरत थी। उन्होंने इस जीत के साथ पुरुष एकल एसएल4 के सेमीफाइनल में प्रवेश किया। महाराष्ट्र के 27 वर्षीय नितेश ने पुरुष युगल एसएल3-एसएल4 में भी आगे बढ़े। मेजबान संयुक्त अरब अमीरात सहित 29 देशों के कुल 127 खिलाड़ी, कोविड -19 महामारी के कारण एक वर्ष से अधिक समय के बाद बीडब्ल्यूएफ पैरा बैडमिंटन टूर्नामेंट में प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं।

हैदराबाद आईपीएल-14 के लिए स्टैंडबाई वेन्यू रहेगा : रिपोर्ट

मुंबई. भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने भारत में बढ़ते कोविड -19 मामलों के मद्देनजर हैदराबाद को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 14वें सीजन के मैचों के लिए स्टैंडबाई वेन्यू के रूप में रखा है। अभी सबका ध्यान मुंबई पर केंद्रित है क्योंकि महाराष्ट्र लॉकडाउन के कगार पर है। हालांकि इस संबेध में कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया गया है, लेकिन राज्य सरकार द्वारा लॉकडाउन के संकेत दिए गए हैं। ईएसपीएनक्रिकइंफो की एक रिपोर्ट में शनिवार को कहा गया, छह में से एक या अधिक होस्ट शहर अपने मैच आयोजित कराने में सक्षम नहीं हुए तो इसे देखते हुए हैदराबाद एक बैक-अप स्थल विकल्प के रूप में उभरा है। रिपोर्ट में कहा गया है कि बोर्ड द्वारा आयोजन स्थल में संभावित बदलाव के बारे में किसी भी फ्रेंचाइजी से बात नहीं की गई है। आईपीएल 2021 छह स्थानों पर आयोजित किया जाएगा। जहां पहले चरण के मैच चेन्नई और मुंबई में आयोजित किए जाएंगे, वहीं दूसरे चरण के लिए अहमदाबाद और दिल्ली में आयोजित किए जाएंगे। लीग मैचों का अंतिम चरण बेंगलुरु और कोलकाता में आयोजित किया जाएगा। प्ले-ऑफ और फाइनल मई के अंत में अहमदाबाद में होने वाले हैं। ये मैच बंद दरवाजों के पीछे खेले जाएंगे जहां कोई भी दर्शक नहीं होगा। आईपीएल 2020 को कोविड-19 महामारी के कारण यूएई में आयोजित किया गया था। हालांकि, बोर्ड ने इस साल भारत में इसकी मेजबानी करने का फैसला किया है। भारत इस साल के अंत में टी20 विश्व कप की भी मेजबानी करने वाला है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

श्वेता तिवारी

ने बताया दर्द, कहा- लोग कहते हैं कि मैंने दो शादी की तो पलक पांच शादियां करेगी

कसौटी जिंदगी के फेम श्वेता तिवारी ने एक्टिंग की दुनिया में खूब नाम कमाया है. सीरियल्स में कई बार उन्हें सच्चा प्यार मिला लेकिन रीयल लाइफ में उन्होंने इस मामले में हर धोखा ही खाया है. श्वेता ने कई बार ये बताया है कि राजा चौधरी के साथ शादी करना उनकी जिंदगी का सबसे गलत फैसला था.राजा उन्हें कई बार मारते-पीटते थे. और उनकी बेटी पलक भी कई बार ये देख चुकी थी. वहीं अब श्वेता ने ट्रोलिंग पर खुलकर बात की है.जिससे कई बार उन्हें और उनकी बेटी पलक को गजरना पड़ता है.

सोशल मीडिया पर लोग बोलते हैं पलक 5 शादियां करेगी

एक इंटरव्यू में श्वेता ने बताया कि कई लोग उन्हें अब तीसरी शादी ना करने की सलाह देते हैं, और उनकी बेटी पलक को कहा जाता है कि, मां ने दो शादियां की तो बेटी तो कम से कम पांट बार शादी करेगी. श्वेता ने आगे कहा कि, कई लोग सालों तक लिव इन रिलेशनशिप में रहते हैं फिर अचानक एक-दूसरे से अलग हो जाते हैं.लेकिन फिर भी उनपर कोई सवाल नहीं उठाता. और मैंने अगर गलत शादी से बाहर निकलने का फैसला किया तो सवालों की झड़ी लगा दी. इतना ही नहीं कई लोग तो ऐसे हैं जो मुझे आकर ये बताते हैं कि, तीसरी बार शादी मत करना.तो क्या मैंने उनसे पूछा ? वो हैं कौन जो मुझे ये बताएंगे ? ये मेरी जिंदगी है और इसका फैसला लेना का हक भी सिर्फ मेरा है.

पलक ने बहुत कुछ देखा है वो सोच-समझकर फैसला लेगी

वहीं श्वेता ने सोशल मीडिया पर ट्रोल करने वाले लोगों के बारे में बात करते हुए कहा कि, इंस्टाग्राम पर कई लोग मुझे कहते हैं कि जब मैंने दो शादी की है तो मेरी बेटी पलक तो पांच शादियां करेगी. लेकिन सच कहूं मुझे ऐसा बिल्कुल नहीं लगता कि वो कभी भी शादी करेगी.उसने छोटी सी उम्र में अपनी मां को मार खाते हुए देखा है. और ये सब देखकर तो वो शादी का फैसला बहुत सोच समझकर लेगी.

दो बार शादी कर चुकी है श्वेता तिवारी

बता दें कि श्वेता ने पहले राजा चौधरी से शादी की थी. और घरेलू हिंसा का शिकार होने पर उन्होंने 2007 में राजा से तलाक ले लिया. इसके बाद साल 2013 में उन्होंने एक्टर अभिनव कोहली से शादी की लेकिन इस बार भी उनकी किस्मत खराब रही. दोनों का रिश्ता ज्यादा नहीं टिक पाया.और अलग हो गए.

नेहा कक्कड़

ने अपने भाई को दिया खास तोहफा, घर में बनावा दिया खेलने के लिए क्रिकेट पिच

सिंगर नेहा कक्कड़ अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर नए-नए पोस्ट शेयर करती रहती हैं. एक बार फिर नेहा कक्कड़ ने एक पोस्ट शेयर किया है जिसमें वो अपने भाई टोनी कक्कड़ के लिए एक तोहफा देती दिखाई दे रही हैं. नेहा ने टोनी कक्कड़ के लिए घर में ही क्रिकेट पिच तैयार करवा दी है. नेहा कक्कड़ का ये सरप्राइज देखकर टोनी कक्कड़ हैरान हो गए. आपको बता दें कि टोनी कक्कड़ को क्रिकेट का बहुत शौक है.

नेहा कक्कड़ ने इस फोटो को शेयर करने के साथ कैप्शन में लिखा, 'घर पर ही क्रिकेट पिच! काम प्रगति पर है. गिफ्ट कैसा लगा? टोनी कक्कड़ (Tony Kakkar). आपकी छोटी बहन नेहा.' इस पोस्ट पर फैन्स के साथ-साथ कई सेलेब्स भी खूब रिएक्शन दे रहे हैं. इस वीडियो को दो घंटे पहले शेयर किया गया था और इस वीडियो को अभी तक 5 लाथ से ज्यादा व्यूज मिल चुके हैं. अगर आपको नेहा कक्कड़ की फैन फॉलोइंग के बारे में नहीं पता है तो आपको बता दें सिंगर के सोशल मीडिया पर 53.8 मिलियन फैन फॉलोइंग है. नेहा कक्कड़ बॉलीवुड की ऐसी सिंगर हैं, जिनकी फैन फॉलोइंग की संख्या करोड़ों में है.

वर्क फ्रंट की बात करें तो नेहा कक्कड़ इन दिनों इंडियन आइडल सीजन 12 में बतौर जज दिखाई दे रही हैं. कुछ दिनों पहले नेहा कक्कड़ का नया गाना सामने आया था जिसका नाम है %मरजानेया% जिसे लोगों ने अपना खूब प्यार दिया. इस गाने में नेहा की सिंगिंग और रुबिना दिलैक और अभिनव शुक्ला की केमिस्ट्री सबको बहुत ज्यादा पसंज आई. नेहा कक्कड़, रुबीना दिलैक और अभिनव शुक्ला के इस गाने को सभी सितारों और लोगों का खूब प्यार मिला.

शाहिद कपूर ने पहना तीन लेयर प्रोटेक्शन मास्क, पैपराजी ने पूछा ऐसा सवाल, तो एक्टर ने धांसू जवाब

बॉलीवुड एक्टर शाहिद कपूर को हाल ही में मुंबई एयरपोर्ट पर तीन लेयर प्रोटेक्शन वाला मास्क पहने हुए देखा गया था. शाहिद का ये लुक देखकर कई फैंस रिएक्शन दे रहे हैं. वहीं एक पैपराजी ने भी शाहिद से पूछा कि क्या वह तीन लेयर मास्क के अंदर सही से सांस ले पा रहे हैं और उनके इस एयरपोर्ट लुक की तस्वीर अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर शेयर की.

बॉलीवुड पैपराजी विरल भैयानी शाहिद कपूर की तीन लेयर मास्क पहने हुए तस्वीर शेयर करते लिखा,अगर वह अच्छी तरह से सांस लेने में सक्षम है, तो 5 स्टार्स है. इसके साथ उन्होंने थम्ब्ज अप वाला इमोजी भी इसमें शामिल किया. विरल की इस पोस्ट पर कमेंट कर शाहिद ने एक फनी रिएक्शन दिया है.

एक साल से रोक रखी है सांस

शाहिद कपूर ने लिखा,नहीं, दरअसल मैंने एक साल से ज्यादा वक्त से अबतक सांस रोकी हुई है.शाहिद के इस जवाब से फैंस काफी खुश हुए. एक फैन ने इसे शाहिद का एपिक जवाब बताया. एक फैन लिखा,हाहा गुड वन. एक अन्य फैन ने लिखा,एकदम परफेक्ट जवाब. वहीं एक और फैन ने फायर इमोजी के साथ सेवेज लिखा.

मुंबई में कोरोना के सबसे ज्यादा मामले

शाहिद कपूर मंगलवार को एयरपोर्ट पर स्पॉट हुए थे. उन्होंने मास्क, सनग्लास और एक ट्रांसपैरेंट फेस शील्ड पहना हुआ था. मुंबई में बढ़ती कोरोना वायरस महामारी के चलते शाहिद काफी सावधानी बरत रहे हैं. केंद्र का कहना है कि कोरोना वायरस महामारी के सबसे ज्यादा मामले देश के शीर्ष 10 शहरों में मुंबई टॉप पर है.

शनाया कपूर

की स्टाइलिश ने किया खुलासा, बताया काम करने का एक्सपीरियंस

बॉलीवुड एक्टर संजय कपूर की बेटी शनाया बहुत जल्द करण जौहर की फिल्म से बॉलीवुड में अपना डेब्यू करने जा रही है. इस बात की जानकारी करण जौहर ने अपने इंस्ट्राग्राम पर दी थी.

उन्होंने बताया था कि, शनाया ने Dharma Cornerstone Agency को साइन किया है.

वहीं अब शनाया के स्टाइलिश मेगन ने उनके साथ किए गए काम के दिनों को याद करते हुए शनाया के कई राज खोले हैं.

शनाया की स्टाइलिश मेगन ने खोले कई राज

मेगन ने एक इंटरव्यू में बताया कि, रिया कपूर ने हमें 2018 में दिवाली के दिन पहली बार मिलवाया था. तभी से मैंने उनके साथ काम करना शुरू किया था. उन्होंने बताया कि, शनाया बहुत ही अच्छी इंसना है. उनके साथ काम करना बहुत ही ज्यादा आसान है. वो एक खुशमिजाज लड़की है.और हमेशा अच्छे मूड में ही रहती हैं. इसलिए उनके साथ काम करना बहुत अच्छा लगता है. उनके साथ मैंने बहुत अच्छा वक्त बिताया है. वो बहुत ही प्रोफेशनल है. हर काम को बिल्कुल टाईम पर करती है.

शनाया बहुत ही चुलबुली इंसना है - मेगन

मेगन ने आगे बताया कि, शनाया बहुत ही चुलबुली और एनर्जी वाली लड़की है.और उनकी यही बात उन्हें दूसरों से एकदम अलग बनाती है. वो खुद भी हमेशा खुश रहती है. और अपने साथ काम करने वाले सभी लोगों को भी खुश रखती है. मैं उनके साथ काम करते हुए कभी बोर नहीं हूं. और मुझे वो बहुत ही ज्यादा पसंद है.

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

मां-बेटी का रिश्ता अनमोल फिर क्यों आ जाती हैं दूरियां?

मां बेटी का रिश्ता दुनिया में सबसे अनमोल होता है। बेटी को मां की ही छवि माना जाता है क्योंकि वो उन्हीं से सारे गुण व आदतें सीखती हैं। साथ ही एक मां में बेटी अपना दोस्त, हमदर्द भी ढूंढ लेती हैं। वहीं, बेटी के रूप में एक मां अपना बचपन दोबारा जी लेती हैं। मगर, कई बार मां-बेटी के रिश्ते में जरा-सी नौंक-झौंक भी हो जाती है जो धीरे-धीरे उनके बीच दूरियां बढ़ा देती हैं। इसके पीछे कई कारण हो सकते हैं, जिसके बारे में आज हम आपको बताएंगे।

उम्र के पहले जिम्मेदारियों का अहसास

अक्सर मांएं अपनी बेटियों को बचपन से ही जिम्मेदारियों का अहसास करवाने लगती हैं। उन्हें बचपन से ही जताया जाता है कि उन्हें दूसरे घर जाना है इसलिए काम करो। इसके कारण बच्चियां अपना बचपन खो देती हैं और मां से दूरी भी बना लेती हैं।

बेटी पर विश्वास न करना

अगर बेटी मां-पिता की इज्जत का ख्याल रख रही हैं तो जाहिर है वो आपसे भरोसे की उम्मीद भी रखेगी। बेटियाँ भी चाहती हैं कि घर के लोग उन पर भरोसा करें मगर, जब आप, खासकर मां और एक औरत होकर जब आप अपनी बेटी पर विश्वास नहीं करती तो उनका मनोबल टूट जाता है। इसके कारण वो आपसे कटी-कटी रहने लगती हैं। और ये एक बहुत अहम् वजह है कि बेटियाँ अपनी माँ से दूर हो जाती हैं।

रोक-टोक करना

बेशक बेटी को सही गलत का एहसास करवाना पेरेंट्स की जिम्मेदारी है लेकिन कई आपकी चिंता इतना ओवरप्रोजेसिव हो जाती है कि लड़कियां इन्हें बाउंडेशन समझ लेती हैं। अब अगर कोई बेटियों के मन की बात ना समझ पाए तो दूरियां जायज है।

बात-बात पर कमियां निकलना

हर छोटे-मोटे काम पर बेटियों की कमियां ना गिनवाए और ना ही दूसरों से तुलना करें। आपका यह व्यवहार उनका मन खराब कर देता है और प्यार की जगह नफरत उनके मन में घर कर लेती है। इससे मां-बेटी की बीच दूरियां भी आ जाती हैं।

बेटी और बेटे में फर्क करना

समय भले ही बदल चुका हो लेकिन बेटी और बेटे के बीच आज भी दीवार खड़ी कर दी जाती है। इसके कारण बेटी के मन में हीनभावना जन्म ले लेती है और वो मानसिक तौर पर अलग हो जाती है।

मन की बात ना समझना

बेटियों को रोकना टोकना हर घर की बात है। और इसी रोक टोक की वजह से कई बार बेटियाँ अपनी माँ से दूर होती जाती हैं। बेटियों की मन की बात अगर मां ही न समझ पाए तो ये दूरियां जायज है। इसलिए अत्यधिक रोक टोक पर बेटियां अपनी मां से थोड़ी दूरी बना लेती हैं। अगर आप अपनी बेटी के साथ रिश्ता मजबूत बनाना चाहते हैं तो ये गलतियां ना दोहराएं। हर बेटी को घर में वो प्यार मिलना चाहिए जिसकी वो हकदार है।

अगर आप भी अपने बच्चे की कम हाइट से हैं परेशान तो उन्हें

रोजाना कराएं ये आसन

बच्चे खाने के मामले में बहुत आनाकानी करते हैं। मगर इससे उनके शारीरिक व मानसिक विकास में रूकावटें आने लगती है। इसके अलावा कई बच्चों की हाइट भी कम रह जाती है। मगर असल में, हाइट यह एक उम्र के बाद बढ़ने बंद हो जाती है। ऐसे में कई पेरेंट्स इसके डर के कारण बच्चों को हाइट बढ़ाने की दवाइयां खिलाने लगते हैं। मगर इससे सेहत के खराब होने की परेशानी हो सकती है। ऐसे में आप चाहे तो बच्चे की डेली रूटीन में योगासन को जोड़ सकते हैं। इसे करने में बॉडी की अच्छे से स्ट्रेचिंग होती है। ऐसे में बच्चे की नेचुरल तरीके से हाइट बढ़ने के साथ सेहत दुरुस्त रहने में भी मदद मिलेगा।

ताड़ासन

1. सबसे पहले खुली जगह पर एकदम सीधे खड़े हो जाएं।
2. दोनों हाथों की उंगलियों को बीच में फंसाकर या हाथों को नमस्कार की मुद्रा में रख कर ऊपर की तरह करें।
3. धीरे-धीरे एड़ियों को उठाकर शरीर का सारा भार पंजों पर डालें।
4. इसी मुद्रा में खड़े रहकर पूरे शरीर को स्ट्रेच करें।
5. फिर गहरी सांस लें।
6. थोड़ी देर बाद सामान्य अवस्था में आ जाएं।
7. इस आसान को 4-5 बार करें।

इससे हाइट बढ़ने में मदद मिलेगी। पूरे शरीर में मजबूती आएगी।

वृक्षासन

1. इस आसन को करने के लिए खुली जगह पर सीधे खड़े हो जाएं।
2. दाहिने पैर को अपने बाएं पैर पर रखें।
3. दोनों हाथों को नमस्ते की मुद्रा में रखकर ऊपर ले जाएं।
4. एक पैर से बैलेंस बनाएं।
5. थोड़ी देर इसी मुद्रा में रहने के बाद सामान्य अवस्था में आ जाएं।
6. इसके बाद दूसरे पैर से इस योगासन को करें।

इससे रीढ़ की हड्डी एकदम सीधी होगी। पैरों व हाथों की मांपेशियों में खिंचाव होने से हाइट बढ़ने में मदद मिलेगी।

योगासन करने के अन्य लाभ

- पूरे शरीर में खिंचाव होने से मांसपेशियों व हड्डियों में मजबूती आएगी।
- पाचन तंत्र दुरुस्त होकर पेट संबंधी समस्याएं दूर होगी।
- दिमाग शांत होने से स्मरण शक्ति बढ़ेगी।
- कमजोरी, थकान व आलस दूर होकर दिनभर तरोताजा महसूस होगा।
- शरीर में खून का संचार बेहतर होने में मदद मिलेगी।
- इम्यूनिटी बूस्ट होने से मौसमी व अन्य बीमारियों से बचाव रहेगा।

बच्चों की नजर कमजोर होने के 10 लक्षणों को जानें

कुछ साल पहले टेलीविजन मनोरंजन का एक मात्र जरिया था। लेकिन समय के साथ-साथ मनोरंजन के विकल्प बढते गए। पहले बच्चे अपना अधिकतम समय कहानी सुन कर या खेल खुल कूद में बिताया करते है। परंतु आज वे टीवी देखते हुए अन्य कंप्यूटर खेल को खेल कर बिताना पसंद करते हैं। वे अपने शरीर को बिल्कुल भी हिलाना पसंद नहीं करते। कभी-कभी वे दवा के डर से समस्या को बताते ही नहीं है। परंतु माता-पिता होने के नाते उनके स्वास्थ्य का ख्याल रखना हमारी जिम्मेदारी है। इसलिए साल में एक बार अपने बच्चे के पूरे शरीर की जांच कराना बहुत जरूरी है। यदि आपको लगता है कि आपके बच्चे की नजर कमजोर हो रही है। पता लगाने के लिए नीचे दिए गए लक्षणों पर ध्यान दें। यदि इन्में से कुछ लक्षण आपके बच्चे में मौजूद हैं तो तुरंत उसके आंखों की जांच कराएं।

आंखों को मलना

बच्चों को नींद में अपनी आंखों को मलने की आदत होती है। लेकिन, अगर आपका बच्चा दिन भर आंखे मलता रहता है तो यह एक कमजोर नजर की निशानी हो सकती है।

सर दर्द

सर दर्द के कई कारण होते हैं। लेकिन अगर टीवी देखते हुए या पढाई करते हुए उसे सर दर्द हो रहा है या रोज शाम को सर दर्द की शिकायत हो। तब समझ लें कि आपके बच्चे को चिकित्सा की आवश्यकता है।

एक आंख बंद करता

यदि आपका बच्चा एक आंख बंद करके टीवी देखने लगे या वीडियो गेम खेलने लगे तब समझ जाएं कि उसे चश्मा लगने वाला है।

तेज रोशनी में पलके झपकना

क्या आपके बच्चे को उजाले से परेशानी होती है? या तेज रोशनी देखकर वह अपनी पलकों को तेजी से झपकता है? तेज रोशनी से धीमी रोशनी को ओर बढते वक्त क्या उसे धब्बे नजर आते हैं? इन सारे लक्षणों का कारण है विटामिन की कमी। अपने बच्चे के आहार में विटामिन ए की मात्रा को बढाएं और उसे रोज सुबह गाजर का जूस पिराएं।

भेंगापन

कई बार बच्चे मजाक में भी अपनी नजरों को तिरछा करते हैं। यदि ये मजाक ना हो कर हर दूसरे, तीसरे दिन की आदत बनती जा रही है तो आदत की वजह को पहचाने और अपने बच्चे की आंखों का इलाज कराएं।

सर घुमाना

बार-बार सर घुमाना भी कमजोर नजर का एक लक्षण है। यदि आपका बच्चा टीवी देखते वक्त बीच-बीच में आंखों को बंद करके सर को हिलाता रहता है, तब इस लक्षण पर ध्यान दें।

नजदीक से देखना

यदि आपके बच्चे को दूर से कोई चीज साफ ना नजर आए और वो उसे देखने के लिए बहुत करीब आए। तब यह सरल लक्षण, उसकी कम होती दृष्टि का संकतक है।

आई बॉल की गति

हालांकि, इस लक्षण को पहचानना आपके लिए थोडा सा मुश्किल हो सकता है। इस लक्षण को पहचाने के लिए बात करते वक्त आपको अपने बच्चे की आंखों को गौर से देखना होगा। यदि आई बॉल की गति में कुछ भिन्नता नजर आए तो तुरंत एक नेत्र विशेषज्ञ से संपर्क करें।

लाल आंखें

नींद पूरी ना होना या नेत्रश्लेष्मला शोथ के कारण भी बच्चों की आंखे लाल हो सकती हैं। परंतु यदि ये दो कारण मौजूद ना हो तब कमजोर नजर ही इसका सही कारण होगा।

आंखों में दर्द

आंखों में दर्द के कारण बच्चे को आंखों में चुभन महसूस होती है तथा उसके आंखों से पानी भी आने लगता है। यदि ये लक्षण लगातार नजर आएं तो समझे की निगाहों पर चश्मा टिकाने का वक्त आ गया है।

कहीं बिगड़ तो नहीं रहा आपका बच्चा, कुछ इस तरह से पहचाने

बच्चे का मन कोरे कागज की तरह होता है। ऐसे में वे अपने आसपास के लोगों व चीजों जल्दी समझकर उन्हें सीख लेते हैं। कई बार वे ऐसी बातें व काम भी सीख लेते हैं जो उनके बेहतर मानसिक व व्यावहारिक विकास में बांधा डालते हैं। असल में, पेरेंट्स के बिजी होने या बच्चों को अधिक छूट देने से वे बिगड़ सकते हैं। ऐसे में कई बच्चे तो लड़ाई, मारपीट, गलत भाषा इस्तेमाल करना आदि शुरू कर देते हैं। ऐसे में पेरेंट्स का फर्ज बनता है कि वे शुरूआती दौर पर ही बच्चों पर ध्यान दें। तो चलिए आज हम आपको इस आर्टिकल में कुछ बातें बताते हैं, जो बच्चे के बिगड़ने की ओर इशारा करते हैं। ऐसे में आप समय रहते ही उनपर काबू पा सकते हैं।

दूसरों को तंग करना

छोटे बच्चे दूसरों को चिढ़ाकर खुश होते हैं। मगर बार-बार ऐसा बर्ताव करना सही नहीं होता है। ऐसे में उसकी संगत को पहचान कर उसे ऐसा करने से रोकें। उसे सही व गलत की पहचान करवाते हुए एक बेहतर इंसान बनाए।

लड़ाई करना

बच्चे का घर पर या पड़ोस में लड़ना भी उसके बिगड़ने की और इशारा करता है। असल में, ऐसी चीजें बच्चा घर के बड़े, दोस्तों व टीवी देखकर सीखता है। ऐसे में अपने घर का माहौल शांत व खुशनुमा रखें। साथ ही उसके द्वारा मारपीट या झगड़ा करने पर उसे प्यार से गलती का अहसास करवाएं। कई बच्चे अटेंशन डेफिसिट हाइपर डिस्ऑर्डर के शिकार होने के कारण ऐसा करते हैं। ऐसे में इस बात का खास ध्यान रखें।

गलत शब्दों व भाषा का इस्तेमाल करना

अगर कहीं आपका बच्चा गलत शब्द या भाषा का इस्तेमाल करें तो अलर्ट हो जाएं। इसका मतलब है कि वह बुरी संगत में पड़ रहा है। इसके लिए उसके कुछ गलत कहने पर तुरंत उसे रोके। मगर उसे डांटने की जगह प्यार से समझाएं। नहीं तो बच्चा नाराज हो सकता है। साथ ही घर का माहौल सही रखें। इसके अलावा इस बात ध्यान रखें कि आपका बच्चे किस से मिलता है। उसकी संगत चैक करके उसके बिगड़ने का कारण पता करें।

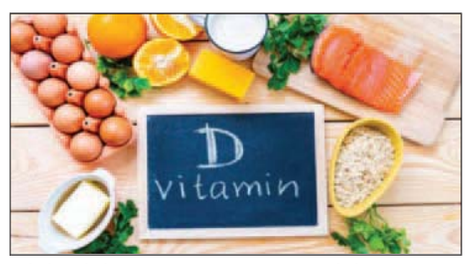

बात-बात पर जिद्द करना

अक्सर बच्चों को छोटी-छोटी बातों पर भी जिद्द करने की आदत होती है। मगर अगर कई बच्चा किसी बात पर अड़ जाएं, घंटों रोता रहे या खाना-पीना छोड़ दें तो यह उसके बिगड़ने की ओर इशारा करता है। ऐसे में मां-बाप का फर्ज है कि वे बच्चे को सही-गलत की पहचान करवाते हैं उसे सही राह पर लाएं। अगर बच्चा प्यार से ना माने तो इसके लिए सख्ती भी कर सकते हैं।

झूठ बोलना व चोरी करना

बच्चे का झूठ बोलना व चोरी करना भी उसके बिगड़ने की ओर संकेत करता है। ऐसे में उसका झूठ पकड़ कर प्यार से उसे समझाएं। बच्चे का मन बड़ा ही चंचल होता है। ऐसे में उसे डांटने की जगह प्यार से सही व गलत बताएं। साथ ही उससे ऐसा करने का कारण पूछे। इसके अलावा बच्चे की जरूरत का अच्छे से ध्यान रखें।

बच्चे में पहचाने विटामिन डी की कमी, जरूर खिलाएं यह आहार

बच्चों के बेहतर शारीरिक विकास के लिए उनकी डाइट खास होनी चाहिए। खासतौर पर उनकी मांसपेशियों व हड्डियों की मजबूती के लिए विटामिन डी की जरूरत होती है। इसकी कमी से उनकी हड्डियां कमजोर होने के साथ शारीरिक विकास धीमा पड़ जाता है। वैसे तो इसकी कमी को पूरा करने के लिए सूरज की रोशनी बेहद फायदेमंद होती है। यह शरीर में कैल्शियम को अवशोषित करने व हड्डियों में मजबूती दिलाने में मदद करता है। मगर आप डाइट में कुछ चीजों को शामिल करके भी इसकी कमी को पूरा कर सकते हैं। तो चलिए आज हम विटामिन-डी से भरपूर चीजों के बारे में बताते हैं। मगर उससे पहले जानते हैं इसकी कमी के लक्षण....

बच्चे में विटामिन डी की कमी के लक्षण

- मांसपेशियों व हड्डियों का कमजोर होकर दर्द होना
- शारीरिक विकास धीमी गति से चलना
- स्वभाव में चिड़चिड़ापन बढ़ना
- इसकी कमी के कारण बच्चे को रिकरंट इन्फेक्शन यानी बार-बार सर्दी-खांसी व मौसमी बीमारियां होना
- दिनभर थकान व कमजोरी रहना

विटामिन डी से भरपूर सुपर फूड्स

सोया से भरपूर चीजें

विटामिन डी से भरपूर चीजों की लिस्ट में सोया भी शामिल होता है। ऐसे में बच्चे की डाइट में सोया से भरपूर टोफू, दूध और सोयाबीन शामिल करें। इससे बच्चे को सही मात्रा में विटामिन डी मिलने के साथ शारीरिक व मानसिक विकास होने में मदद मिलेगी।

दूध : इसकी कमी पूरा करने के लिए दूध पीना भी बेस्ट ऑप्शन है। असल में दूध में कैल्शियम के साथ उचित मात्रा में विटामिन डी में पाया जाता है। इसलिए रोजाना 1 गिलास दूध का सेवन करने से बच्चे में इसकी कमी पूरी की जा सकती है। एक्सपर्ट्स के अनुसार, 1 गिलास दूध का सेवन करने से दिनभर की जरूरत के अनुसार 1/4 विटामिन डी की मिल सकता है।

संतरा : वैसे तो विटामिन-सी के लिए संतरा खाने की सलाह दी जाती है। मगर असल में, इसमें विटामिन-सी और डी सही मात्रा में मौजूद होता है। ऐसे में रोजाना इसका सेवन करने से विटामिन डी की सही मात्रा में मिलता है। एक्सपर्ट्स के अनुसार, रोजाना 1 गिलास ताजे संतरे का जूस पीने से बच्चे में विटामिम डी की कमी पूरी करने में मदद मिलती है। इसके अलावा संतरे अन्य पोषक तत्व व एंटी-ऑक्सीडेंट गुणों से भरपूर होता है। ऐसे में इसके सेवन से बच्चे की मांसपेशियों व हड्डियों में मजबूती आएगी। शारीरिक व मानसिक विकास बेहतर होने के साथ स्किन से जुड़ी परेशानियों से भी राहत रहेगी।

मशरूम : मशरूम खाने में टेस्टी होने के साथ विटामिन डी से भरपूर होती है। इसके सेवन से मांसपेशियों व हड्डियों में मजबूती आने में मदद मिलती है। खासतौर पर बच्चे की ग्रोथ के लिए मशरूम काफी फायदेमंद मानी जाती है। ऐसे में इसे बच्चे की डेली डाइट में जरूर शामिल करें। आप इससे बच्चे को अलग-अलग डिशेज बनाकर खिला सकते हैं।

अंडा : अगर आप नॉन वेजीटेरियन है तो बच्चे की डाइट में अंडे शामिल करें। इसका सफेद भाग विटामिन डी से भरपूर होता है। ऐसे में इसके सेवन से बच्चे को इसकी कमी पूरी करने में मदद मिलेगी। साथ ही उसकी सेहत में सुधार आएगा।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

क्लाइमेट समिट में शामिल होंगे पीएम मोदी, जो बाइडन का निमंत्रण स्वीकारा

नई दिल्ली। (एजेंसी)।

जलवायु मुद्दे पर नेताओं की शिखर बैठक में हिस्सा लेने के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन के निमंत्रण को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्वीकार कर लिया है। बता दें कि अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को जलवायु मुद्दे पर नेताओं की शिखर बैठक में हिस्सा लेने के लिए आमंत्रित किया है, जिसे डिजिटल माध्यम से 22-23 अप्रैल 2021 को आयोजित किया जा रहा है। विदेश मंत्रालय ने यह जानकारी दी है।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने ऑनलाइन मीडिया ब्रीफिंक गे दौरान कहा कि प्रधानमंत्री ने राष्ट्रपति बाइडेन की पहल का स्वागत किया और निमंत्रण स्वीकार कर लिया है। बता दें कि अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी समेत विश्व के 40 नेताओं को जलवायु परिवर्तन से निपटने को लेकर वार्ता के मकसद से आयोजित होने वाले नेताओं के शिखर सम्मेलन के लिए आमंत्रित किया है। इस शिखर सम्मेलन का मकसद जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए ठोस कदम उठाने के आर्थिक लाभ एवं महत्व को रेखांकित करना है। हालांकि, इस शिखर सम्मेलन में पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान को न्योता नहीं मिला है।

व्हाइट हाउस ने पिछले सप्ताह कहा था, %यह ग्लासगो में इस साल नवंबर में होने वाले संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन सम्मेलन (सीओपी26) के मार्ग में एक मील का पत्थर साबित होगा।% व्हाइट हाउस के अनुसार, प्रधानमंत्री मोदी के अलावा चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग, रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन, जापान के प्रधानमंत्री योशिहिदे सुगा, ब्राजील के राष्ट्रपति जायर बोलसोनारो, कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो, इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू, सऊदी अरब के शाह सलमान बिन अब्दुलअजीज अल सऊद और ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन समेत 40 नेताओं को शिखर सम्मेलन के लिए आमंत्रित किया गया है, जिसका सीधा प्रसारण किया जाएगा।

इन नेताओं के अलावा दक्षिण एशिया से बंग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना और भूटान के प्रधानमंत्री लोते शेरिंग को भी सम्मेलन में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया गया है। व्हाइट हाउस ने कहा कि इस शिखर सम्मेलन और सीओपी26 का मुख्य लक्ष्य वैश्विक तापमान को 1.5 डिग्री सेल्सियस से नीचे रखने के प्रयासों को गति देना है।

उसने कहा कि इस सम्मेलन में इन उदाहरणों को भी रेखांकित किया जाएगा कि जलवायु महत्वाकांक्षा से अच्छे वेतन वाली नौकरियां कैसे पैदा होती हैं, नवोन्मेषी तकनीक विकसित करने में कैसे मदद मिलती है और कमजोर देशों को जलवायु परिवर्तन के प्रभाव के अनुसार ढलने में कैसे सहायता मिलती है। व्हाइट हाउस ने कहा कि शिखर सम्मेलन के आयोजन से पहले अमेरिका पेरिस समझौते के तहत अपने नए राष्ट्रीय निर्धारित योगदान के रूप में महत्वाकांक्षी 2030 उत्सर्जन लक्ष्य की घोषणा करेगा। इस सम्मेलन में वे 17 देश भाग लेंगे, जो वैश्विक स्तर पर 80 प्रतिशत उत्सर्जन के लिए जिम्मेदार हैं और वैश्विक जीडीपी में उनकी 80 प्रतिशत भूमिका है।

अमेरिकी राष्ट्रपति के विशेष दूत कैरी आ रहे भारत

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची के मुताबिक, जलवायु परिवर्तन से जुड़े मामलों पर अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन के विशेष दूत जॉन कैरी 5-8 अप्रैल तक भारत की यात्रा पर रहेंगे, जिसमें वह जलवायु मुद्दे पर नेताओं की आगामी शिखर बैठक सहित पर्यावरण से जुड़े मुद्दों पर चर्चा करेंगे। बागची ने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति के विशेष दूत जॉन कैरी 5-8 अप्रैल तक भारत की यात्रा पर आ रहे हैं जिसमें वह जलवायु मुद्दे पर नेताओं की आगामी शिखर बैठक सहित पर्यावरण से जुड़े मुद्दों पर चर्चा करेंगे। उन्होंने कहा कि भारत यात्रा के दौरान कैरी यहां विदेश मंत्री एस जयशंकर के अलावा वित्त मंत्री, वन एवं पर्यावरण मंत्री, पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री, ऊर्जा, नवीन एवं नवीकरणीय ऊजा मंत्री आदि से भी मुलाकात करेंगे ।

सार समाचार

सोमाली सेना के दो शिविरों में विस्फोट, नौ सैनिकों की मौत; हुआ भारी नुकसान

मोगादिशु (सोमालिया)। सोमाली सेना के दो शिविरों में एक ही समय पर हुए विस्फोट में कम से कम नौ सैनिकों की मौत हो गई। सेना ने मौतों की पुष्टि करते हुए कहा कि हमलावरों को भी 'भारी नुकसान' पहुंचाया गया है। इस हमले की जिम्मेदारी कट्टरपंथी समूह अल-शबाब ने ली है। यहां के निवासियों ने बताया कि ये हमले लोअर शाबेले क्षेत्र के बरीरे और अवधेगलेह गांव में हुई। यह स्थान मोगादिशु से 75 किलोमीटर दूर है। स्थानीय मीडिया से बातचीत में सोमाली नेशनल आर्मी के जनरल ओदावा यूसूफ रागेह ने इन दो हमलों की पुष्टि करते हुए कहा कि अल-शबाब को भारी नुकसान उठाना पड़ा है और वे कुछ मरे अपने कमांडरों का शव भी नहीं ले जा सके। उन्होंने बताया कि सेना भागे हुए हमलावरों का पीछा कर रही है। सरकार की पैदल सेना के कमांडर जनरल मोहम्मद ताहिल बिहली ने एसोसिएटेड प्रेस को बताया, '' हमारे नौ सैनिकों की मौत हुई और 11 अन्य घायल हो गए। हमने शबाब के 60 मिलिशिया को एक स्थान पर जबकि 17 को अन्य शिविर के निकट मार गिराया।'' वहीं अल-शबाब के प्रवक्ता शेख अब्दुल्लाजीज अल-मुसाब ने कहा कि समूह ने 47 सरकारी सैनिकों को मार गिराया। ऐसा डर है कि सोमालिया के मौजूदा राजनीतिक संकट की वजह से अल-कायदा संबद्ध इस संगठन का हौसला मजबूत हो रहा है। राष्ट्रपति मोहम्मद अब्दुल्लाही मोहम्मद पर पद से हटने का दबाव है और फरवरी में होने वाले चुनाव आयोजित नहीं हुआ।

ताइवान ट्रेन हादसे के जिम्मेदार के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट की मांग, अब तक 51 की मौत

हुआलीन काउंटी (ताइवान)। ताइवान में अभियोजकों ने रेलवे पटरी पर ट्रक के गिरने के कारण शुक्रवार को भीषण ट्रेन दुर्घटना के बाद वाहन के मालिक के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी करने का अनुरोध किया है। पिछले कुछ दशकों में देश में घटे इस सबसे बड़े ट्रेन हादसे में 50 लोगों की मौत हो गयी और 178 लोग घायल हो गए। यह हादसा लंबे सप्ताहांत के पहले दिन टोरोको गॉर्ज पर्यटन क्षेत्र में हुआ जहां कई लोग ताइवान के मजबूत रेल नेटवर्क के चलते ट्रेनों से सफर कर रहे थे। घटना के वक्त ट्रेन में 494 लोग सवार थे। यह हादसा उस समय हुआ जब रेलवे प्रशासन द्वारा संचालित निर्माण साइट का एक ट्रक ऊपर पहाड़ी से फिसलकर पटरियों पर आ गिरा। ट्रक में उस वक्त कोई नहीं था। ट्रेन सुरंग से निकली ही थी जब यह घटना हुई और उसका ज्यादातर हिस्सा सुरंग के भीतर ही था जिससे बाहर निकलने की कोशिश कर रहे यात्रियों को मजबूरन खिड़कियों, दरवाजों और छतों पर चढ़ना पड़ा। प्रशासन ने आरंभ में 51 लोगों की मौत की पुष्टि की थी लेकिन शनिवार को मृतकों की संख्या 50 बतायी गयी। सरकार के आपदा राहत केंद्र के मुताबिक ट्रक का आपात ब्रेक सही से काम नहीं कर रहा था। पूर्वी हुआलीन काउंटी की मुख्य अभियोजक यू सिउ दुआन ने बताया कि उन्होंने ट्रक के मालिक के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी करने का अनुरोध किया है। राष्ट्रपति साई इंग वेन ने दुर्घटनास्थल के पास के अस्पतालों का दौरा किया। साई ने शुक्रवार को कहा था कि उन्होंने परिवहन सुरक्षा कमेटी से जांच के लिए कहा है। कामगारों ने शनिवार सुबह क्षतिग्रस्त दो कोच को दुर्घटनास्थल से हटा दिया।

एस्ट्राजेनेका टीके से जुड़े खून के थक्के जमने के 25 नए मामले आए सामने, ब्रिटेन ने की पहचान

लंदन। (एपी) ब्रिटेन के औषधि नियामक ने कहा है कि उसने एस्ट्राजेनेका के कोरोना वायरस रोधी टीके से संबंधित खून के थक्के जमने के 30 मामलों की पहचान की है लेकिन जोर दिया है कि किसी खतरे की तुलना में टीके के फायदे अधिक हैं। औषधि एवं स्वास्थ्य देखभाल नियामक एजेंसी ने कहा कि इस तरह से खून के थक्के जमने से संबंधित खतरा 'बहुत कम है' और लोगों को यह टीका लगवाना जारी रखना चाहिए। एजेंसी ने कहा कि ये मामले 24 मार्च तक के हैं जिस दौरान टीके की 1.81 करोड़ खुराकें लगाई गई हैं और उसे फाइजर-बायोएनटेक के टीके के संबंध में इस तरह की रिपोर्ट नहीं मिली हैं। एस्ट्राजेनेका के टीके से संबंधित चिंताओं के कारण कनाडा, फ्रांस, जर्मनी और नीदरलैंड जैसे कुछ देशों ने बुजुर्गों को मना किया है कि वे यह टीका न लगवाएं। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने देशों से इस टीके का इस्तेमाल जारी रखने का आग्रह किया है।

पाकिस्तान का दावा, कहा- भारत के साथ सार्थक बातचीत से कभी पीछे नहीं हटा

इस्लामाबाद। पाकिस्तान ने शुक्रवार को दावा किया कि वह भारत के साथ सार्थक बातचीत से कभी पीछे नहीं हटा, लेकिन भारत के साथ संबंधों को सामान्य बनाने का मामला जम्मू-कश्मीर के विशेष दर्जे को रद्द करने के उसके फैसले पर विचार करने से जुड़ा हुआ है।

विदेश कार्यालय के प्रवक्ता जाहिद हफीज चौधरी से कैबिनेट के उस फैसले के बारे में पूछा गया था जिसमें उच्च-स्तरीय एक निकाय की मंजूरी के बाद भी कपास और चीनी के आयात की अनुमति नहीं दी गई। उन्होंने कहा कि संघीय मंत्रिमंडल ने भारत से चीनी, कपास और सूती धागे के आयात करने के आर्थिक समन्वय समिति (ईसीसी) के फैसले को टाल दिया क्योंकि भारत के साथ संबंध तब तक 'साामन्य' नहीं होंगे जब तक कि भारत जम्मू-कश्मीर के विशेष दर्जे को रद्द करने के अपने फैसले पर फिर से विचार नहीं करता।

म्यांमार में हर दिन हो रही प्रदर्शनकारियों की मौत, अब तक कम से कम 550 नागरिकों ने गंवाई जान

यंगून। (एजेंसी)।

मध्य म्यांमार में सुरक्षा बलों ने तख्तापलट के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे लोगों पर शनिवार को गोली चला दी जिसमें दो लोगों की मौत हो गई। स्थानीय मीडिया ने यह जानकारी दी। मानवाधिकारों के लिए काम करने वाले एक संगठन ने कहा है कि म्यांमा में एक फरवरी को तख्तापलट के बाद से बढ़ी हिंसा में कम से कम 550 नागरिक मारे गए हैं। मानवाधिकार संगठन 'असिस्टेंस एसोसिएशन फॉर पॉलिटिकल प्रिजनर्स' ने शनिवार को बताया कि मृतकों में 46 बच्चे हैं। करीब 2,751 लोगों को हिरासत में लिया गया या सजा दी गई। म्यांमार में जानलेवा हिंसा और प्रदर्शनकारियों की गिरफ्तारी की धमकियां सेना को सत्ता छोड़ने और लोकतांत्रिक रूप से निर्वाचित सरकार को फिर से बहाल करने की मांग कर रहे प्रदर्शनों को दबाने में नाकाम रही हैं। इस तख्तापलट ने दक्षिणपूर्वी एशियाई देश में लोकतंत्र की दिशा में हुई वर्षों की धीमी प्रगति पर पानी फेर दिया है। म्यांमा नाउ समाचार सेवा ने खबर दी कि सरकारी बलों ने मध्य म्यांमा में शनिवार को प्रदर्शनकारियों पर गोलियां चला दीं जिसमें कम से कम दो लोगों की मौत हो गई।

सोशल मीडिया पर पोस्ट किए गए एक वीडियो में प्रदर्शनकारियों का एक समूह एक युवा शख्स को कंधे पर ले जाते दिख रहा है जिसमें उसके सिर पर गंभीर चोट आई है। उसकी हालत का तत्काल पता नहीं चल सका है। म्यांमा नाउ ने स्थानीय बचाव टीम के हवाले से कहा कि गोलीबारी में कम से कम सात लोग घायल हुए हैं जिनमें से दो को गंभीर चोट आई है और सैनिकों ने उन्हें हिरासत में ले लिया है। स्थानीय मीडिया ने प्रत्यक्षदर्शियों के हवाले से बताया कि शुक्रवार देर रात को सादे कपड़े पहने सशस्त्र पुलिसकर्मियों ने पांच लोगों को हिरासत में लिया। उन्होंने यंगून के एक बाजार में सीएनएन के एक पत्रकार से बात की थी।

तीन अलग-अलग घटनाओं में गिरफ्तारियां हुई। इस बीच दशकों से सरकार से लड़ रहे जातीय अल्पसंख्यक विद्रोही समूह का प्रतिनिधित्व करने वाले कारेन नेशनल यूनियन ने थाईलैंड की सीमा से लगते अपने गृहनगर में गांवों और निहत्थे नागरिकों के खिलाफ ''लगातार बमबारी और हवाई हमलों'' की निंदा की है। क्षेत्र में काम कर रही एक राहत एजेंसी फ्री बर्मा रेंजर्स के अनुसार कारेन के नियंत्रण वाले इलाकों में 27 मार्च के बाद से 12 से अधिक नागरिक मारे गए और 20,000 से अधिक विस्थापित हो गए। करीब 3,000 कारेन थाइलैंड भाग गए लेकिन अस्पष्ट परिस्थितियों में लौट आए हैं। थाई अधिकारियों का कहना है कि वे स्वेच्छा से लौटे हैं लेकिन सहायता समूहों का कहना है कि वे सुरक्षित नहीं हैं और कई लोग सीमा पर म्यांमा वाली तरफ जंगलों और गुफाओं में छिपे हुए हैं।

अध्ययन में खुलासा, अनेक परत वाला मास्क संक्रमण का प्रसार 96 प्रतिशत तक कम कर सकता है

वाशिंगटन। (एजेंसी)।

उचित तरीके से बनाया गया अनेक परतों वाला मास्क इसे पहनने वाले व्यक्ति से निकलने वाले 84 प्रतिशत कणों को रोक देता है, वहीं इस तरह का मास्क पहने दो लोग संक्रमण के प्रसार को करीब 96 प्रतिशत तक कम कर सकते हैं। एक नये अध्ययन में यह बात सामने आई। अमेरिका के जॉर्जिया इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी के वैज्ञानिकों समेत विशेषज्ञों ने कहा कि मास्क बनाने में इस्तेमाल सामग्री, इसकी कसावट और इसमें इस्तेमाल की गयी परतें नोवेल कोरोना वायरस के संक्रमण के प्रसार को प्रभावित कर सकती हैं। एयरोसोल साइंस एंड टेक्नोलॉजी पत्रिका में प्रकाशित अध्ययन में विभिन्न किस्म के पदार्थों से अत्यंत छोटे कणों के निकलने के प्रभाव के बारे में अध्ययन किया गया। अध्ययनकर्ता नगा ली ने कहा, ''एक अतिसूक्ष्म कण हवा में घंटों तक और दिनों तक रह सकता है और यह हवा के आने-जाने के मार्ग पर निर्भर करता है, इसलिए यदि किसी कमरे में हवा निकासी की उचित व्यवस्था नहीं है तो ये छोटे कण बहुत लंबे समय तक रह सकते हैं।'' वैज्ञानिकों ने अपने अनुसंधान में 33 विभिन्न व्यावसायिक रूप से उपलब्ध पदार्थों का परीक्षण किया जिनमें सूती और पॉलिस्टर जैसे एक परत वाले बुने हुए कपड़े शामिल हैं। उन्होंने कहा, ''हमें पता चला कि एक ही तरह के पदार्थ में से भी तत्वों के निकलने के विविध परिणाम सामने आए।

खतरनाक हमले के बाद अमेरिकी संसद भवन को खोलने में हो सकती है देरी

वाशिंगटन। (एजेंसी)।

अमेरिकी कैपटिल (संसद भवन) के बाहरी इलाके में घातक हमले के मद्देनजर संसद भवन के क्षेत्र को आम लोगों के लिए धीरे-धीरे खोलने में देरी हो सकती है। वहीं सांसद छह जनवरी को हुए हमले के बाद अधिक सामान्य सुरक्षा उपायों की वापसी चाहते हैं। संसद भवन के बाहर लगे बैरिकेड में शुक्रवार दोपहर एक कार से टक्कर मारने के बाद एक पुलिस अधिकारी विलियम 'बिल्ली' एवांस की मौत हो गई है। वहीं, पुलिस द्वारा चलाई गई गोली से कार चालक की भी मौत हो गई है। उसको गोली उस वक्त मारी गई जब वह कारसे निकल कर एक चाकू ले कर पुलिस की तरफ दौड़ा था। अधिकारियों ने संदिग्ध की पहचान 25 वर्षीय नोह ग्रीन के रूप में की है। कैपटिल पुलिस ने करीब दो हफ्ते पहले ही संसद भवन के बाहरी इलाके में लगी बाड़ को हटाया था जो बड़े हिस्से को यातायात के लिए बंद करती थी। यह उपाय इस साल छह जनवरी को संसद भवन पर हुए हमले के बाद परिसर को अधिक सुरक्षित बनाने के लिए किया गया था। पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के समर्थकों ने छह जनवरी को इमारत पर हमला बोल दिया था। इस हिंसा में एक पुलिस अधिकारी समेत पांच लोगों की मौत हुई थी। कुछ सांसदों ने बाड़ें लगाना नापसंद नहीं आया था जबकि कुछ ने इसे अनावश्यक प्रतिक्रिया बताया था। परिसर और सांसदों की सुरक्षा के मद्देनजर संसद भवन के अंदरूनी हिस्से में अब भी बाड़ लगी हुई है। संसदों ने कहा कि अमेरिकी लोकतंत्र का स्थान सभी के लिए खुला रहना चाहिए भले ही इस पर हमेशा खतरा ही क्यों न बना रहे। मगर शुक्रवार की घटना के बाद सांसदों ने कहा कि उन्हें सतर्कता से आगे बढ़ने की जरूरत है। ओहायो के जनप्रतिनिधि और सुरक्षा एवं कैपटिल की निगरानी करने वाली सदन की व्यय समिति के अध्यक्ष टिम रयान ने पुलिस अधिकारी और चालक की मौत पर कहा कि यह दुखद है। उन्होंने कहा कि लेकिन सवाल उठता है कि बाड़ को हटाने के लिए क्या वातावरण पर्याप्त रूप से सुरक्षित था। यह बाड़ शायद इस तरह की घटनाओं को रोक सकती थी। रयान ने कहा कि कोई फैसला नहीं लिया गया है और शुक्रवार की घटना के बाद सांसद हर चीज की समीक्षा करेंगे।

कोरोना के बढ़ रहे तेजी से मामले, बांग्लादेश में लगा 7 दिनों का लॉकडाउन

ढाका। बांग्लादेश में कोविड-19 के मामलों और मौतों में इजाफे के मद्देनजर सरकार ने सोमवार से देश में एक सप्ताह के लिए लॉकडाउन लागू करने का फैसला किया है। ढाका ट्रिब्यून के अनुसार सड़क परिवहन मंत्री ओबैदुल कादर नेशनिवार को यहां मीडिया से बातचीत में यह घोषणा की। सरकारी आंकड़ों के अनुसार बांग्लादेश में शुक्रवार को कोरोना वायरस के एक दिन में सर्वाधिक 6830 नये मामले सामने आये और संक्रमितों की संख्या बढ़कर 624,594 हो गयी। वहीं पिछले 24 घंटों मेंसंक्रमण से 50 और मरीजों की मौत हुईजिससे मृतक संख्या बढ़कर 9,155 पर पहुंच गई।

सत्तारूढ़ आवामी लीग के महासचिव कादर ने कहा कि कोरोना वायरस को फैलने से रोकने के लिए सरकार ने सोमवार से सात दिनों के लिए लॉकडाउन लगाने का निर्णय लिया है क्योंकि देश में कोरोना वायरस के मामले और उससे होने वाली मौतें बढ़ रही हैं। उन्होंने कहा कि हालांकि यह आदेश जरूरी एवं आपात सेवाओं पर लागू नहीं होगा। खबर के अनुसार फैक्टरियां खुली रहेंगी और श्रमिक स्वच्छता के नियमों का पालन करते हुए पालियों में काम करेंगे। ढाका ट्रिब्यून के अनुसार जन प्रशासन राज्य मंत्री फरहाद हुसैन ने कहा, '' लॉकडाउन के दौरान सभी कार्यालय एवं अदालतें बंद रहेंगी जबकि कारखाने एवं मिलें पालियों में चलती रहेंगी।

ईस्टर से पहले श्रीलंका में गिरजाघरों की सुरक्षा बढ़ाई गई, अप्रैल 2019 में हुआ था आतंकी हमला

कोलंबो। श्रीलंका में रविवार को ईस्टर से पहले गिरजाघरों की सुरक्षा कड़ी कर दी गई है। यह जानकारी शनिवार को पुलिस ने दी। अप्रैल 2019 में ईस्टर के दिन देश में पर्यटकों और अल्पसंख्यक ईसाई समुदाय पर समन्वित हमले के आलोक में इस वर्ष सुरक्षा कड़ी गई है। हमले में 270 लोगों की मौत हो गई थी। वरिष्ठ पुलिस उप महानिरीक्षक और पुलिस प्रवक्ता अजित रोहाना ने यहां संवाददाताओं से कहा, ''हमने 12 हजार से अधिक सुरक्षाकर्मियों की तैनाती कर गिरजाघरों की सुरक्षा कड़ी कर दी है।'' उन्होंने कहा कि सुरक्षाकर्मियों में 9,350 पुलिस अधिकारी और तीनों सेनाओं (थल सेना, नौसेनाऔर वायुसेना) के 2,542 जवान शामिल हैं। रोहाना ने कहा कि पश्चिमी तटीय शहर नेगोम्बो में 111 गिरजाघरों को सुरक्षा मुहैया कराई जाएगी। इसके अलावा पड़ोसी तटीय शहर चिलाव में 107 गिरजाघरों और पूर्वी शहर बट्टीकलोआ में करीब 98 गिरजाघरों की भी सुरक्षा कड़ी की गई है। श्रीलंका में 2019 में नेगाम्बो काटुवापिटिया का सेंट सेबेस्टियन गिरजाघर ईस्टर रविवार को हुए हमले में सबसे बुरी तरह प्रभावित हुआ था और इसमें 114 लोगों की मौत हुई थी। श्रीलंका में 21 अप्रैल को तीन गिरजाघरों और तीन लग्जरी होटल पर एक साथ छह विस्फोट होने से 11 भारतीय सहित कुल 270 लोगों की मौत हुई थी। इसे स्थानीय जिहादी समूह नेशनल थावीत जमात ने अंजाम दिया था, जो इस्लामिक स्टेट से जुड़ा हुआ संगठन है।

पाकिस्तान के पीएम इमरान खान ने कहा- मौजूदा हालात में भारत के साथ कोई कारोबार नहीं

इस्लामाबाद। (एजेंसी)।

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान ने भारत से कपास और चीनी के आयात के मुद्दे पर अपने कैबिनेट के अहम सदस्यों के साथ विचार-विमर्श के बाद फैसला किया है कि मौजूदा हालात में पड़ोसी देश के साथ किसी भी तरह के कारोबार को आगे नहीं बढ़ाया जा सकता है। मीडिया में शनिवार को आयी खबर में इस बारे में बताया गया। 'डॉन' अखबार ने सूत्रों के हवाले से बताया कि प्रधानमंत्री ने शुक्रवार को विचार-विमर्श के बाद वाणिज्य मंत्रालय और अपनी वित्तीय टीम को वैकल्पिक सस्ते स्रोत और जरूरी वस्तुओं का आयात कर संबंधित सेक्टर, कपड़ा एवं चीनी उद्योगों को मदद के लिए तत्काल कदम उठाने का निर्देश दिया। खबर के अनुसार आर्थिक समन्वय समिति (ईसीसी) के समक्ष कई प्रस्ताव पेश किये गये हैं, जो आर्थिक एवं वाणिज्यिक दृष्टिकोण से इन सुझावों पर विचार करता है।

ईसीसी से विचार-विमर्श के बाद इसके फैसलों को मंजूरी और अंतिम निर्णय के लिए कैबिनेट में पेश किया गया। खबर में कहा गया है कि मौजूदा मामले में ईसीसी ने घरेलू जरूरतों को देखते हुए भारत से कपास और चीनी के आयात के लिए स्वीकृति दी थी। ईसीसी के फैसले के मद्देनजर खान ने शुक्रवार को अपनी कैबिनेट के अहम सदस्यों के साथ बैठक की और यह फैसला किया कि पाकिस्तान कश्मीर मुद्दे पर भारत के साथ तनाव के कारण मौजूदा हालात में पड़ोसी देश के साथ किसी भी कारोबार को आगे नहीं बढ़ा सकता है। भारत ने कहा है कि वह आतंकवाद, शत्रुता और हिंसा से मुक्त माहौल में पाकिस्तान के साथ संबंध सामान्य करने को इच्छुक है और यह पाकिस्तान पर है कि वह आतंकवाद, शत्रुता और हिंसा से मुक्त माहौल बनाये। भारत ने यह भी कहा कि ''आतंकवाद और बातचीत'' दोनों एकसाथ नहीं चल सकते और पाकिस्तान से भारत पर कई हमलों के लिए जिम्मेदार आतंकवादी संगठनों के खिलाफ कदम उठाने को कहा।

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

छत्तीसगढ़ में नक्सलियों के साथ मुठभेड़ में पांच जवान शहीद, कई घायल

रायपुर। छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित बीजापुर जिले में शनिवार को सुरक्षा बलों और नक्सलियों के बीच हुई मुठभेड़ में पांच जवान शहीद हो गए तथा कुछ अन्य जवानों के घायल होने की सूचना है। मुठभेड़ में कुछ नक्सलियों के भी मारे जाने की संभावना है। राज्य के पुलिस महानिदेशक डीएम अवस्थी ने शनिवार को पीटीआई-को बताया कि बीजापुर जिले के तर्रेम क्षेत्र में सुरक्षा बलों और नक्सलियों के बीच हुई मुठभेड़ में सुरक्षा बल के पांच जवान शहीद हो गए। इस घटना में कुछ अन्य जवानों के घायल होने की भी सूचना है। अवस्थी ने बताया कि तर्रेम क्षेत्र में सीआरपीएफ की कोबरा बटालियन, डीआरजी और एसटीएफ के जवानों को नक्सल विरोधी अभियान में रवाना किया गया था। दल जब क्षेत्र में था तब नक्सलियों ने सुरक्षा बलों पर गोलीबारी शुरू कर दी। उन्होंने बताया कि सुरक्षा बल के जवानों ने भी जवाबी कार्रवाई की है। इस घटना में कुछ नक्सलियों के भी मारे जाने की संभावना है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि घायल जवानों को बाहर निकालने की कोशिश की जा रही है। इस संबंध में अधिक जानकारी ली जा रही है।

कोरोना से संक्रमित फारुक अब्दुल्ला बेहतर इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती

श्रीनगर। हाल में कोविड-19 से संक्रमित पाए गए नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष फारुक अब्दुल्ला को ऐहतियात के तौर पर शनिवार को एक अस्पताल में भर्ती कराया गया। फारुक के पुत्र उमर अब्दुल्ला ने ट्विटर पर कहा कि उनके पिता को डॉक्टरों की सलाह के बाद बेहतर निगरानी के लिए श्रीनगर के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उमर ने कहा, ''लोगों के दिखाए गए प्यार और दुआओं के लिए हमारा परिवार हर किसी का आभारी है।'' नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष फारुक (85) मंगलवार को संक्रमित पाए गए थे। शुरुआत में वह घर पर पृथक-वास में थे लेकिन डॉक्टरों ने बेहतर चिकित्सकीय देखभाल के लिए उन्हें एक अस्पताल में भेजने का फैसला किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समेत कई नेताओं ने फारुक के संक्रमित होने की खबर सामने आने के बाद उनके जल्द ठीक होने की कामना की थी। फारुक ने दो मार्च को कोविड-19 टीके की पहली खुराक ली थी।

यूपी में बड़ी लापरवाही! फोन पर बात करते हुये नर्स ने महिला को लगा दिया दो बार कोरोना का टीका

कानपुर। कानपुर देहात जिले के मंडौरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में कोविड-19 टीकाकरण के दौरान लापरवाही बरतने का मामला सामने आया है। एक नर्स ने कथित तौर पर मोबाइल पर बात करते हुए एक महिला को कोविड-19 टीके की दोहरी खुराक दे दी। इसके बाद महिला के परिवार के सदस्यों ने अस्पताल में जमकर हंगामा किया और बाद में जिलाधिकारी व मुख?य चिकित?साधिकारी समेत कई अधिकारियों को नर्स की लापरवाही के बारे में सूचित किया। परिजनों ने पत्रकारों को बताया कि बृहस्पतिवार को कमलेश कुमारी कोरोना टीके की खुराक लेने प्राथमिक स?वास?थ?य केंद्र गई थीं जहां एएनएम अर्चना ने उन्हें मोबाइल पर बातचीत करते हुए टीके की दो खुराक लगा दीं। परिजनों का आरोप है कि जब दो बार टीका लगाये जाने पर कमलेश ने नर्स को टोका तो उसने माफी मांगने के बजाय उसे फटकार लगाई। परिवार के सदस्यों का कहना है कि दोहरी खुराक के कारण कमलेश के हाथ में हल्की सूजन आ गई हालांकि कोई गंभीर लक्षण नहीं दिखा।

रास्ता भटक कर भारत पहुंचा पाकिस्तान का 8 साल का मासूस, फिर देखें बीएसएफ ने क्या किया?

अहमदाबाद। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने शनिवार को कहा कि पाकिस्तान से अनजाने में अंतरराष्ट्रीय सीमा पार करके भारतीय क्षेत्र में आ गये आठ साल के एक लड़के को उसने पाकिस्तानी रेंजर्स को सौंपा है। अधिकारियों ने बताया कि शुक्रवार को राजस्थान के बाड़मेर सेक्टर में सोमरार सीमा जांच चौकी के समीप यह लड़का भारतीय क्षेत्र में पहुंच गया था। बीएसएफ ने एक बयान में कहा, ''सद्भावना के तौर पर बीएसएफ ने शुक्रवार को पाकिस्तानी रेंजर्स के साथ फ्लैग मीटिंग में इस पाकिस्तानी नाबालिग को सौंपा।'' उसने कहा, ''दो अप्रैल को करीब आठ साल का करीम अनजाने में अंतरराष्ट्रीय सीमा पार करके भारतीय क्षेत्र में घुस गया था और वह बाड़मेर सेक्टर के सोमरार सीमा जांच चौकी के समीप सीमा सुरक्षा बाड़ के पास तक पहुंच गया था।''

जनपद गौतम बुद्ध नगर में मानसिक तनाव के चलते तीन युवाओं ने आत्महत्या की

नोएडा। जनपद गौतम बुद्ध नगर के तीन अलग-अलग इलाकों में तीन युवाओं ने मानसिक तनाव के चलते आत्महत्या कर ली। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। पुलिस आयुक्त आलोक सिंह के मीडिया प्रभारी अभिनेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि थाना एक्सप्रेसवे क्षेत्र के सेक्टर 168 स्थित जेवियर सोसायटी में रहने वाले अमरपाल (20 वर्ष) ने बीती रात को सोसाइटी के बेसमेंट में पंद्रा लगाकर आत्महत्या कर ली। उन्होंने बताया कि थाना सेक्टर 24 क्षेत्र के मोरना गांव में रहने वाली 20 वर्षीय युवती मधु ने कल रात अपने घर में पंखे से पंद्रा लगाकर आत्महत्या कर ली।

पीयूष गोयल ने रेलवे कर्मचारियों से कहा, आपने अपनी जान जोखिम में डालकर और कड़ी मेहनत की

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

रेल मंत्री पीयूष गोयल ने शनिवार को करीब 13 लाख रेल कर्मचारियों को पत्र लिखा और कोरोना वायरस संकट के दौरान उनके काम के लिए उनका शुक्रिया अदा किया। उन्होंने कहा कि पिछला साल कुछ ऐसा था जैसा पहले कभी नहीं देखा गया। उन्होंने कहा, ''हमारे अपने नुकसान को कभी नहीं भुलाया जाएगा लेकिन यह रेल परिवार का धैर्य, दृढ़ निश्चय और संकल्प था जो अभूतपूर्व महामारी के दौर में विजयी साबित हुआ।'' गोयल ने कहा कि कोविड-19 वैश्विक महामारी के दौरान ''रेलवे परिवार'' ने अपने आप को राष्ट्र की सेवा के लिए समर्पित किया। उन्होंने कहा, ''जब दुनिया ठहर गई तो रेलवकर्मियों ने एक दिन की भी छुट्टी नहीं ली और अर्थव्यवस्था के पहियों को चलाते रहने के लिए अपनी जान जोखिम में डालकर और कड़ी मेहनत की।'' मंत्री ने कहा कि सभी की इस प्रतिबद्धता के कारण रेलवे आवश्यक वस्तुओं की अबाधित आपूर्ति सुनिश्चित

कर पाई, चाहे वह बिजली संयंत्रों के लिए कोयला हो, किसानों के लिए उर्वरक या देशभर के उपभोक्ताओं के लिए अनाज हो। गोयल ने कहा कि परिवारों को मिलाने के लिए 4,621 श्रमिक विशेष ट्रेनें चलाई गई और 63 लाख से अधिक फंसे हुए लोगों को उनके घर पहुंचाया गया। रेल मंत्री ने कहा, ''लॉकडाउन के दौरान पाबंदियों के कारण 370 बड़े सुरक्षा और बुनियादी ढांचे संबंधी कार्य पूरे किए गए। किसान रेल सेवाएं बड़े बाजारों के साथ हमारे 'अन्नदाताओं' को सीधे जोड़ने का जरिया बनी। आपने अपनी सेवा से इसे संभव कर दिखाया और लाखों की जिंदगियों और दिलों को छुआ।'' उन्होंने कहा, ''यह मेरे लिए बहुत गर्व की बात है कि रेलवे ने अपने असाधारण काम से अर्थव्यवस्था की बहाली की अगुवाई की।'' गोयल ने कहा कि अब रेलवे यात्री-केंद्रित बन गई है और वह संचालनात्मक क्षमता के साथ ही अपनी गति सुधारने के लिए कई कदम उठा रही है। उन्होंने कहा, ''मैं आपके समर्पण और उत्कृष्ट प्रयासों के लिए आपका शुक्रिया अदा करता हूं। मैं विश्वास के साथ कह सकता हूं कि इस अति उत्साही टीम के साथ हम रिकॉर्ड तोड़ना, बड़े लक्ष्य हासिल करना, अपने प्रदर्शन से अन्य के लिए नजीर पेश करना और भारतीय अर्थव्यवस्था की वृद्धि में योगदान देना जारी रखेंगे।

हरियाणा के रोहतक में ष्टरूखट्टर के खिलाफ किसानों ने किया प्रदर्शन

चंडीगढ़। किसानों ने हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर के खिलाफ रोहतक जिले में शनिवार को प्रदर्शन किया। मुख्यमंत्री के दौरे के बारे में पता चलने के बाद किसान एक निजी विश्वविद्यालय के बाहर एकत्र हो गए जहां पर खट्टर के हेलिकॉप्टर को उतरना था।

प्रदर्शनकारियों में महिलाएं भी थीं। खट्टर को रोहतक के सांसद अरविंद शर्मा के पिता की याद में एक शोकसभा में हिस्सा लेना था। अधिकारियों ने बताया कि प्रदर्शनकारियों को रोकने के लिए विश्वविद्यालय के बाहर भारी सुरक्षा बंदोबस्त किए गए। प्रदर्शनकारी किसानों ने 'किसान एकता जिंदाबाद' के नारे लगाए। किसान विश्वविद्यालय की तरफ जाने के लिए डटे हुए थे और उन्होंने बैरिकेड हटाकर जाने का प्रयास किया। जब कुछ किसानों ने जाने की कोशिश की तो पुलिस ने लाठियां चलायी। पुलिसकर्मियों पर पथराव भी हुआ। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि घटना में एक पुलिसकर्मी घायल हो गया। एक प्रदर्शनकारी किसान ने बताया कि भगदड़ में एक बुजुर्ग किसान भी घायल हो गए। अधिकारी ने बताया कि खट्टर का हेलिकॉप्टर रोहतक पुलिस लाइन में वैकल्पिक स्थान पर उतरा। केंद्र के तीन कृषि कानूनों के कारण किसान भाजपा और उसकी सहयोगी जननायक जनता पार्टी के नेताओं का विरोध कर रहे हैं। किसानों ने बृहस्पतिवार को हिसार हवाई अड्डे के बाहर हरियाणा के उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला के खिलाफ प्रदर्शन किया था।

ममता के वाराणसी से चुनाव लड़ने पर मोदी बोले- आप जय श्री राम से चिढ़ती हैं, वहां हर-हर महादेव सुनने को मिलेगा

नई दिल्ली। (एजेंसी)।

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ताबड़तोड़ चुनावी रैली कर रहे हैं। आज उन्होंने ममता बनर्जी और उनकी सरकार पर जमकर निशाना साधा। इसके अलावा प्रधानमंत्री ने तृणमूल कांग्रेस के उस दावे पर भी हमला बोला जिसमें पार्टी की ओर से कहा गया था कि 2024 में वह वाराणसी से चुनाव लड़ेंगी। प्रधानमंत्री ने कहा कि दीदी की पार्टी अब कह रही है कि दीदी अब वाराणसी से लोकसभा चुनाव लड़ेंगी। इससे दो बातें साफ होती हैं। एक तो दीदी ने बंगाल में अपनी पराजय स्वीकार कर ली है। दूसरा- दीदी अब बंगाल के बाहर अपने लिए जगह तलाश करने में जुट गई हैं। इसके बाद प्रधानमंत्री ने कहा कि ये जरूर है कि वहां आपको तिलक वाले लोग बहुत मिलेंगे, चोटी वाले लोग बहुत मिलेंगे। यहां आप जय श्री राम के आह्वान से चिढ़ती हैं। वहां आपको हर-हर महादेव भी सुनने को मिलेगा। उन्होंने कहा कि काशी के लोगों के दिल बड़े हैं - वे आपको बाहरी नहीं कहेंगे - ठीक बंगाल के लोगों की तरह। हालाँकि, आपको वहाँ बहुत सारे भक्त मिलेंगे, जो आपको बेचैन कर सकते हैं! दीदी, ओ दीदी, फिर आप क्या करेंगी? मेरी आपसे एक ही प्रार्थना है, बनारस के लोगों पर, यूपी के लोगों पर गुस्सा मत करिएगा दीदी। यूपी-बनारस के लोगों ने मुझे इतना प्यार दिया है, वो आपको भी बहुत स्नेह देंगे दीदी। मोदी ने कहा कि मैंने सुना है कि TMC में इन दिनों बहुत बड़ा मंथन चल रहा है। उनका कहना है कि ताव में आकर दीदी ने नंदीग्राम जाने का फैसला तो कर लिया, लेकिन ये उनकी बहुत बड़ी गलती साबित हुआ। नंदीग्राम में अपनी हार होते देख टीएमसी ने ये तय कर लिया था कि ममता दीदी को दूसरी सीट से भी लड़ाया जाए। लेकिन कुछ समझदार लोगों ने फिर दीदी को स्पष्ट कहा कि ये उनकी दूसरी बड़ी गलती होगी। दीदी, आप बंगाल की जनता पर विश्वास करिए। वो अपना निर्णय दे चुकी है। ये तय हो गया है कि आपको अब टाका-मार-कम्पनी यानि टीएमसी सहित 'नबन्ना' छोड़कर जाना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि ममता दीदी, आप भले ही खुद को Cool मानती हैं, लेकिन आपके हाव-भाव से पश्चिम बंगाल का मूड पता चल रहा है। 'छप्पा भोट' का मौका नहीं मिल रहा तो आप चुनाव आयोग को गाली दे रही हैं, सुरक्षा बलों पर सवाल उठा रही हैं। मोदी ने कहा कि इस समय देश नेताजी का 125वां जन्मजयंति वर्ष मना रहा है। अभी जनवरी में पूरे देश ने उनके जन्म दिवस को पराक्रम दिवस के रूप में मनाया। उस दौरान कोलकाता में भी ऐतिहासिक समारोह हुआ। मैं भी उसमें शामिल हुआ था। जब अंग्रेजों ने हमारी एकता में फूट डालने की कोशिश की थी तो नेताजी सुभाष ने कहा था- भारत एक है और हर भारतीय की आशाएं, आकांक्षाएं एक जैसी हैं। आज बहुत पीड़ा होती है, जब नेताजी की इस सोच के बजाय तृणमूल कांग्रेस और ममता दीदी बोहिरागोतो की बात करती हैं।

भाजपा के प्रचार अभियान का नेतृत्व करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने अबतक 23 रैलियां की

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

चार राज्यों और एक केंद्र शासित प्रदेश में जारी विधानसभा चुनाव में भाजपा के प्रचार अभियान का नेतृत्व करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अब तक 23 रैलियां कर चुके हैं। इनमें से 10 रैलियां तो चार राज्यों में उन्होंने पिछले तीन दिनों में संबोधित की हैं। इनमें शनिवार का दिन भी शामिल है। भाजपा पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी को सत्ता से बाहर करने और असम में सत्ता बरकरार रखने के लिए पूरा जोर लगा रही है और ये दोनों ही राज्य मोदी के प्रचार अभियान के केंद्र में हैं। उन्होंने केरल, तमिलनाडु और केंद्रशासित प्रदेश पुडुचेरी में भी रैलियां संबोधित की हैं। प्रधानमंत्री ने दो दिनों के लिए बांग्लादेश की यात्रा की थी और वहां कई कायक्रमों में हिस्सा लिया था। बनर्जी ने यह कहते हुए मोदी की आलोचना की थी कि पश्चिम बंगाल चुनाव को ध्यान में रखकर ये कार्यक्रम किये गये।

हालांकि भाजपा ने इस आरोप का खंडन किया। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि अपनी पार्टी के प्रचार अभियान की अगुवाई करने के साथ साथ मोदी देश में कोरोना वायरस एवं टीकाकरण की की स्थिति पर भी नजर बनाये हुए हैं। पुडुचेरी और तीन राज्यों में छह अप्रैल को विधानसभा चुनाव मतदान संपन्न हो जाएगा जबकि पश्चिम बंगाल में उसके बाद भी कई चरण में मतदान होगा। ऐसे में पश्चिम बंगाल में आने वाले दिनों एवं सप्ताहों में मोदी द्वारा कई और जनसभाओं को संबोधित करने की संभावना है क्योंकि भाजपा वहां सत्ता पर काबिज होने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ना चाहती है। पश्चिम बंगाल में छह अप्रैल के बादभी पांच और चरणों में मतदान होगा। यहां अंतिम चरण का मतदान 29 अप्रैल को होगा। इन सभी राज्यों एवं केंद्रशासित प्रदेश में मतों की गणना दो मई को होगी।

मोदी सरकार के दबाव में चुनाव आयोग ने सरमा पर प्रतिबंध की अवधि कम की: कांग्रेस

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

कांग्रेस ने भाजपा नेता हिमंत विश्व सरमा के चुनाव प्रचार करने पर लगे प्रतिबंध की अवधि को 48 घंटे से घटाकर 24 घंटे किए जाने को 'संसदीय लोकतंत्र के लिए काला दिन' करार देते हुए शनिवार को दावा किया कि चुनाव आयोग ने यह फैसला मोदी सरकार के दबाव में किया है, जिसके लिए उसे इतिहास कभी माफ नहीं करेगा। पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने यह आरोप भी लगाया कि ऐसा लगता है कि चुनाव आयोग ने अपनी नियम पुस्तिका से निष्पक्षता वाला पन्ना फाड़कर फेंक दिया है। उन्होंने ट्वीट किया, '' चुनाव आयोग से हम भाजपा नेता की गाड़ी में ईवीएम मामले में कड़ी कार्रवाई का इंतजार कर ही रहे थे कि आयोग के एक और कदम से ऐसा लगता है कि उसने अपनी रुलबुक से निष्पक्षता वाला पेज फाड़के फेंक दिया है।''

प्रियंका ने सवाल किया, ''आखिर किस दबाव में धमकी देने वाले भाजपा नेता पर प्रतिबंध को 48 घंटे से घटाकर 24 घंटे किया गया?'' उधर, कांग्रेस के मुख्य प्रवक्ता रणदीप सुरजेवाला ने आरोप लगाया कि चुनाव आयोग ने यह फैसला मोदी सरकार के दबाव में लिया है। सुरजेवाला ने ट्वीट किया, ''संसदीय लोकततंत्र के लिए काला दिन है। चुनाव

आयोग के पास अपने आदेश पर कायम रहने की हिम्मत नहीं है। यह निंदनीय है कि चुनाव आयोग मोदी सरकार के दबाव में झुक गया और सरमा को चुनाव प्रचार से प्रतिबंधित करने का आदेश बदला। इतिहास इस पाप के लिए न तो चुनाव आयोग और न ही भाजपा को माफ करेगा।'' उन्होंने सवाल किया, ''क्या चुनाव आयोग यह बताएगा कि यह फैसला स्वतन लिया गया या फिर भाजपा या सरमा की तरफ से कोई नयी याचिका दायर की गई? अगर ऐसा है, तो फिर इस मामले में शिकायत करने वाले दलों कांग्रेस और बीपीएफ को क्यों नहीं बुलाया गया? क्या यह दंड से मुक्ति के भाव के साथ धमकाने के लिए लाइसेंस देना है?''

गौरतलब है कि चुनाव आयोग ने असम के मंत्री और भाजपा नेता सरमा पर चुनाव प्रचार प्रतिबंध की अवधि 48 घंटे से कम कर 24 घंटे कर दी। उन्होंने चुनाव आयोग को आश्वासन दिया कि आदर्श आचार संहिता के प्रावधानों का पालन करेंगे, जिसके बाद प्रचार प्रतिबंध की अवधि घटाई गई। बोडोलैंड पीपुल्स फ्रंट के प्रमुख हागरामा मोहिलारी के खिलाफ कथित तौर पर धमकी भरी टिप्पणी के लिए शुक्रवार को उनके चुनाव प्रचार करने पर चार अप्रैल तक प्रतिबंध लगा दिया गया था। असम विधानसभा चुनाव के तीसरे एवं अंतिम चरण के लिए प्रचार चार अप्रैल की शाम को समाप्त हो जाएगा। राज्य में अंतिम चरण के चुनाव छह अप्रैल को होंगे।

पैगंबर मोहम्मद के खिलाफ टिप्पणी पर भड़के ओवैसी, अमानतुल्लाह बोले- काट देनी चाहिए जुबान और गर्दन

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

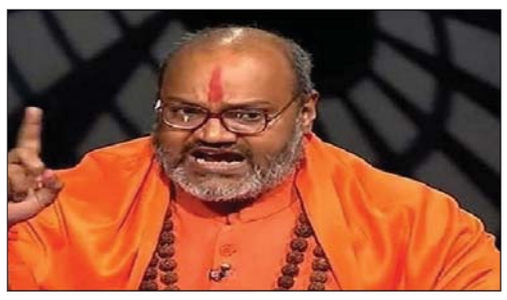

इस्लाम और पैगंबर मोहम्मद के खिलाफ महंत नरसिंहानंद सरस्वती की टिप्पणी को लेकर विवाद हो गया है। उनके बयान को लेकर हैदराबाद के सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने दिल्ली पुलिस को उसकी जिम्मेदारी याद दिलाई वहीं आम विधायक ने तो जुबान और गर्दन काट कर सख्त से सख्त सजा देने की बात कही है।

नरसिंहानंद ने कई विवादित टिप्पणी की

नरसिंहानंद सरस्वती का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है जिसमें वो पैगंबर मोहम्मद तथा इस्लाम को लेकर आपत्तिजनक टिप्पणी कर रहे हैं। ये वीडियो प्रेस क्लब ऑफ इंडिया का बताया जा रहा है जिसमें सरस्वती की ओर से पैगंबर मोहम्मद की असलियत को उजागर करने के लिए हिंदुओं से निडर होने का आग्रह कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस्लाम की असलियत, जिसके लिए मौलाना कहते हैं कि अगर मोहम्मद के बारे में बोला तो सिर काट देंगे। हिंदू ये भय अपने दिमाग से निकाल दें। हम हिंदू हैं। हम राम के चरित्र की मीमांस कर सकते हैं, हम परशुराम के चरित्र की मीमांसा कर सकते हैं, तो हमारे लिए मोहम्मद क्या चीज हैं? हम मोहम्मद की मीमांसा क्यों नहीं करेंगे और कियों सच नहीं बोलेंगे? इसके अलावा बी नरसिंहानंद ने कई विवादित टिप्पणी की हैं जिसका जिक्र हम यहां नहीं कर सकते हैं।

असदुद्दीन ओवैसी ने दिया जवाब

नरसिंहानंद सरस्वती के बयान के बाद एआईएमआईएम नेता असदुद्दीन ओवैसी ने ट्वीट करते हुए इस पर अपनी आपत्ति जताई। उन्होंने कहा कि पैगंबर मोहम्मद का अपमान स्वीकार नहीं है। क्या यह अपराधी जो कि धर्मगुरु बने हैं, इस्लाम के बारे में अपनी अप्राकृतिक अवधारणा खत्म कर सकते हैं? ओवैसी ने कहा कि जब आप किसी चीज को नापसंद करते हैं, तो उस पर काफी समय लगाते हैं। मुझे विश्वास है कि आपकी अपनी मान्यताओं में काफी कुछ होगा, जिसके बारे में चर्चा करना चाहेंगे।

आप विधायक ने कहा- जुबान और गर्दन काट लेनी चाहिए

आप विधायक अमानतुल्लाह खान ने ट्वीट करते हुए कहा कि हमारे नबी की शान में गुस्ताखी हमें बिल्कुल बर्दाश्त नहीं, इस नफ़रती कीड़े की जुबान और गर्दन दोनो काट कर इसे सख़्त से सख़्त सजा देनी चाहिए। लेकिन हिंदुस्तान का कानून हमें इसकी इजाज़त नहीं देता, हमें देश के संविधान पर भरोसा है और मैं चाहता हूँ कि दिल्ली पुलिस इसका संज्ञान ले।

कांग्रेस नेताओं ने उद्धव ठाकरे से मुलाकात कर न्यूनतम साझा कार्यक्रम की समीक्षा की मांग की

मुंबई। (एजेंसी)।

कांग्रेस नेताओं के एक प्रतिनिधिमंडल ने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे से शनिवार को मुंबई में मुलाकात की और न्यूनतम साझा कार्यक्रम (सीएमपी) के कार्यान्वयन की समीक्षा करने की मांग की जिसके आधार पर नवंबर 2019 में शिवसेना के नेतृत्व में महा विकास आघाड़ी (एमवीए) गठबंधन बना था। राजस्व मंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता बालासाहेब थोराट ने कहा कि प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) के सचिव एच के पाटिल ने किया। इस दौरान उन्होंने मुख्यमंत्री से राज्य में राजनीतिक हालात और कोविड-19 से निपटने के लिए किये जा रहे प्रबंधों पर भी चर्चा की। प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री से कहा कि सभी फैसले एमवीए के घटक दलों द्वारा सर्वसम्मति से लिये जाएं।

मुंबई पुलिस के पूर्व प्रमुख परमबीर सिंह द्वारा राज्य के गृह मंत्री एवं राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) नेता अनिल देशमुख के खिलाफ भ्रष्टाचार का आरोप लगाये जाने के बाद एमवीए विवादों में घिर गया है। विपक्षी भाजपा ने राज्य सरकार पर महामारी से प्रभावी तरीके से निपटने में विफल रहने का आरोप लगाया और पुलिस अधिकारियों के तबादले में भ्रष्टाचार का भी आरोप लगाया। थोराट ने कहा, ''एच के पाटिल ने पहली बार उद्धव ठाकरे से मुलाकात की। बैठक मुख्यमंत्री के आधिकारिक आवास पर हुई जो एक घंटा चली। बैठक सौहार्दपूर्ण माहौल में हुई।'' उन्होंने बताया कि बैठक में ठाकरे से कहा गया कि एमवीए के नेतृत्व वाली सरकार के गठन का एक साल हो चुका है और अब सीएमपी के कार्यान्वयन की समीक्षा की जरूरत है।

प्रतिनिधिमंडल में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष नाना पाटोले और पीडब्ल्यूडी मंत्री अशोक चव्हाण भी शामिल थे। थोराट ने कहा, ''हमने मुख्यमंत्री को कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी के लिखे पत्र की भी याद दिलायी जिसमें गरीब आदिवासियों के लिए कल्याण योजना के मद में बजटीय आवंटन का जिक्र किया गया था।'' शिवसेना नेता संजय राउत के बयान के बाद एमवीए के घटक दलों में फूट की खबरें आ रही हैं। राज्य में कांग्रेस नेता इससे काफी नाराज हैं। राउत ने हाल में कहा था कि शरद पवार को संप्रग का नेतृत्व करना चाहिए। शिवसेना के मुखपत्र 'सामना' में देशमुख को ''दुर्घटनावश निर्वाचित गृहमंत्री'' बताया गया है।

कोविड-19 से बचने के लिए आदिवासी समुदायों की अच्छी आदतों को अपनाएं : वेंकैया नायडू

भुवनेश्वर। उपराष्ट्रपति एम वेंकैया नायडू ने शनिवार को यहां एक अध्ययन का हवाला देते हुए कहा कि ओडिशा की आदिवासी आबादी कोविड-19 वैश्विक महामारी से व्यापक तौर पर बची रही है और उनकी अनोखी आदतों एवं परंपराओं ने उन्हें संक्रमण से दूर रखने में मदद की है। उन्होंने कहा कि अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति शोध एवं शिक्षण संस्थान (एससीएसटीआरटीआई) की रिपोर्ट में बताया गया कि जनजातीय लोगों की चलते वक्त एक दूसरे से पर्याप्त दूरी बनाकर रखने की आदत होती है। नायडू ने यहां उत्कल विश्वविद्यालय के 50वें दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए कहा, 'जनजातीय संस्कृति में इस प्रकार की सुरक्षित दूरी एवं साफ-सफाई संबंधी नियमों के साथ ही प्राकृतिक खान-पान ने उन्हें वैश्विक महामारी के दौरान सुरक्षित रहने में मदद की है।' उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालयों को आदिवासी समुदायों के इन सकारात्मक पहलुओं पर ध्यान देना चाहिए और उन्हें अपने पाठ्यक्रम में शामिल करना चाहिए। उनकी यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है जब शनिवार को भारत में कोविड-19 के 89,129 मामले सामने आए जो पिछले करीब साढ़े छह महीनों में सबसे ज्यादा हैं। इसके साथ ही देशभर में अब तक कोरोना के 1.23 करोड़ मामले दर्ज किए जा चुके हैं। ओडिशा में 62 आदिवासी समुदाय हैं जो राज्य की कुल आबादी का 23 प्रतिशत हैं।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौया द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)